www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 22 || लखनऊ
बुधवार
22 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:36
सूर्यास्तः 06:34
अधिकतमः 41°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 03

विशेष समाचार | पश्चिम बंगाल के चुनाव में... >> पेज 02 | केजीएमयू में फर्जी डॉक्टर पकड़ा... >> पेज 04 | शाहरुख की किंग ने रिलीज से पहले ...

5 हजार से ज्यादा महिलाओं के साथ सड़क पर उतरे सीएम योगी
बीजेपी की जन आक्रोश रैली

पदयात्रा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास न होने पर लखनऊ में भाजपा ने मंगलवार को जन आक्रोश महिला पदयात्रा निकाली। सीएम योगी खुद इस पदयात्रा में महिलाओं के साथ पैदल चले। उनके साथ करीब 15 हजार महिलाएं चलीं। योगी के अलावा दोनों डिप्टी सीएम, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत पार्टी के सीनियर लीडर भी कड़ी धूप में पैदल चले। पदयात्रा सीएम आवास से शुरू होकर विधानसभा तक करीब 2 किमी तक गई। यहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा- नकाब वालों के चक्कर में सपा-कांग्रेस ने 80% महिलाओं का नुकसान किया। महिलाओं के मन में जबरदस्त गुस्सा है। वहीं, सीएम योगी ने कहा- सपा हो या कांग्रेस, इनके कृत्य महिला विरोधी रहे हैं। आज महिलाओं में इनके प्रति कितना गुस्सा है। इसका अंदाजा भीषण गर्मी में इस भीड़ को देखकर लगाया जा सकता है। देश के अंदर केवल 4 जातियां हैं। पहली जाति महिला है। दूसरी गरीब की, तीसरी युवा और चौथी किसान की। उन्होंने कहा- कांग्रेस, सपा और उनके सहयोगी दलों से जुड़ी महिलाएं भी इस रैली में आई हैं। आज की रैली यहीं समाप्त नहीं होती है। यह आंदोलन बूथ, मंडल, ब्लॉक और जिले स्तर तक जारी रखना है। भाजपा संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा- नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा में पारित न होने पर यह पदयात्रा निकाली गई। उन्होंने बताया कि महिलाओं को राजनीतिक रूप से मजबूत बनाने के लिए पीएम मोदी का महत्वपूर्ण कदम था। सभी दलों से सहयोग मांगने के बावजूद अधिनियम गिर गया।

- सीएम योगी के दोनों साइड डिप्टी सीएम, मंत्री ओपी राजभर, आशीष पटेल भी साथ चले।
- पदयात्रा चली तो सीएम योगी के अगल-बगल दोनों डिप्टी
- सीएम, यूपी भाजपा अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री तिरंगा लेकर चले।
- रैली विधानसभा के सामने पहुंची तो यहां मंच पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक तिरंगा लहराने लगे।

"गर्मी को देखते हुए पदयात्रा में जगह-जगह प्याऊ, एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। रैली में शामिल महिलाओं ने राहुल गांधी मुर्दाबाद, नारी के सम्मान में भाजपा मैदान में जैसे नारे लगाए। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने संबोधन में कहा- सपा और कांग्रेस की स्थिति मेंढक की तरह है। इन्हें चाहे चांदी के चबूतरे में बैठा लो या सोने के। ये उछलेंगे तो नाले में ही कूंदेंगे। महिलाओं को आरक्षण जाति देखकर नहीं दिया जा सकता। पदयात्रा में सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम के अलावा कैबिनेट की महिला मंत्री भी हैं। इसके अलावा, गठबंधन की पार्टियां भी शामिल हुई हैं। इनमें ओपी राजभर, आशीष पटेल भी हैं। राजनीति के जानकार इसे भाजपा के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देख रहे हैं।"

योगी बोले- सपा-कांग्रेस की महिलाएं भी इस रैली में आई हैं

योगी ने कहा- नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए महिलाओं को 33% आरक्षण देना था। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और उनके सहयोगी दलों से जुड़ी महिलाएं भी इस रैली में आई हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में जैसे देश में महिलाओं के कल्याण और स्वावलंबन में योजनाएं चल रही हैं, वैसी ही योजनाएं यूपी में डबल इंजन की सरकार भी योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा- आज की रैली यहीं पर समाप्त होती है। यह आंदोलन बूथ, मंडल, ब्लॉक और जिले स्तर तक जारी रखना है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- सपा-कांग्रेस ने महिलाओं का नुकसान करवाया

यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने जन आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए कहा- धर्म के आधार पर मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया जा सकता। यह बात विपक्ष के लोग भी जानते हैं। क्या यह अधिनियम पास होता तो मुस्लिम महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिलता? लेकिन, नकाब वालों के चक्कर में 80% महिलाओं का नुकसान सपा-कांग्रेस ने किया है।

मंत्री बोलीं- सपा-कांग्रेस मेंढक की तरह, नाले में कूदते हैं

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी महिलाओं को संबोधित कर रही हैं। उन्होंने कहा- सपा और कांग्रेस की स्थिति मेंढक की तरह है। इन्हें चाहे चांदी के चबूतरे में बैठा लो या सोने के। ये उछलेंगे तो नाले में ही गिरेंगे। महिलाओं को आरक्षण जाति देखकर नहीं दिया जा सकता। सीएम आवास के पास सैकड़ों महिलाएं इकट्ठा हो गई हैं। अब भी आने का सिलसिला जारी है। इस बीच कड़ी धूप होने से महिलाएं छांव ढूंढ़ रही हैं। वो सड़क पर इधर से उधर पेड़ों के नीचे पहुंचने के लिए आ-जा रही हैं।

रैली रूट पर पड़ रहा सिविल हॉस्पिटल, सेवाएं जारी

रैली रूट पर सिविल हॉस्पिटल पड़ रहा है। पूरे रूट पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरीके से बंद की गई है। बताया गया है कि रैली के दौरान भी सिविल हॉस्पिटल की सेवाएं चलती रहेंगी। आपात स्थिति में हॉस्पिटल जा रहे हैं तो ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर फोन करके मदद ली जा सकती है।

"सीएम आवास से लेकर विधानसभा तक नारेबाजी लिखे हुए होर्डिंग, पोस्टर, बैनर लगाए गए हैं। होर्डिंग पर यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा नेता व लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह और महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी की तस्वीर है। लखनऊ नगर निगम की तरफ से पूरे रैली रूट पर प्याऊ और चिकित्सा टीम के कैंप लगे हैं।

योगी बोले- सपा-कांग्रेस के कृत्य महिला विरोधी हैं

सीएम योगी ने जन आक्रोश रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा- सपा हो या कांग्रेस, इनके कृत्य महिला विरोधी हैं। महिलाओं में इनके प्रति कितना गुस्सा है। यह दिखा रहा है कि भीषण गर्मी में भी हजारों की संख्या में बहनें आई हैं। देश के अंदर केवल 4 जातियां हैं- महिला, गरीब, युवा और किसान। देश के अंदर इंस्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो, देश के संरक्षण का काम हो, समाज के हर तबके के उत्थान के लिए चलने वाली योजनाएं हों। हर गरीब को छत, हर महिला को उज्ज्वला योजना से जोड़ना उन्हें ईंधन उपलब्ध कराना ही नहीं है, यह उनके स्वावलंबन के लिए भी है।

सीएम आवास के पास जुटने लगीं महिलाएं

5, कालिदास मार्ग पर सीएम आवास के पास रैली की शुरुआती पॉइंट पर महिलाएं जुटने लगी हैं। यहां मंच पर 8 कुर्सियां अभी खाली हैं। मेयर सुषमा खर्कवाल, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल मंच पर बैठे हैं। महिला पदयात्रा में आगे चलने वाली महिलाएं बैनर लेकर चलेंगी। इस बैनर पर सपा-कांग्रेस पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास न होने देने का आरोप लगाया गया है।

केरलम में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 13 की मौत
10 शव बरामद, 3 लोगों के शरीर के हिस्से बिखरे मिले

हादसा

- फैक्ट्री में 26 अप्रैल को होने वाले त्रिशूर पूरम के लिए पटाखे तैयार किए जा रहे थे।
- धमाके में आसपास के घरों को भी नुकसान पहुंचा है। कुछ मजदूर मामूली चोट के साथ बाहर निकलने में सफल रहे।

तमसा संकेत, एजेंसी

त्रिशूर। केरलम के त्रिशूर जिले में मंगलवार दोपहर 3.30 बजे पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। फैक्ट्री में कई लोग झुलस गए। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, मौके से 10 शव मिले, जबकि 3 लोगों के शरीर के हिस्से मिले है। 5 घायलों की हालत गंभीर है। 17 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। पटाखे खेतों के बीच बने शेड में बनाए जा रहे थे। हादसे के समय करीब 40 लोग मौजूद थे। लेकिन रुक-रुक कर विस्फोट होने से रेस्क्यू में दिक्कत आई।

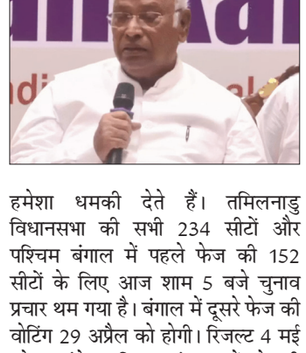

मोदी आतंकवादी, बाद में कहा- ऐसा नहीं बोला : खड़गे
मेरा मतलब था मोदी लोगों और विपक्षी पार्टियों को डराते-धमकाते हैं

सफाई

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/चेन्नई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चेन्नई में मंगलवार को पीएम मोदी को आतंकवादी कह दिया। हालांकि, कुछ देर बाद इस पर सफाई भी दी। उधर, भाजपा ने कहा कि खड़गे को अपने विवादित बयान पर माफी मांगनी चाहिए। खड़गे पहले भी मोदी पर विवादित बयान दे चुके हैं। 2024 में पीएम की तुलना आक्रमणकारी तैमूर लंग से की थी। 2023 में 'जहरीला सांप' और 'झूठों का सरदार' कहा था। बाद में कांग्रेस अध्यक्ष ने सफाई भी थी। खड़गे ने कहा- PM मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। मेरा मतलब है कि मोदी हमेशा धमकी देते हैं। तमिलनाडु विधानसभा की सभी 234 सीटों और पश्चिम बंगाल में पहले फेज की 152 सीटों के लिए आज शाम 5 बजे चुनाव प्रचार थम गया है। बंगाल में दूसरे फेज की वोटिंग 29 अप्रैल को होगी। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। पश्चिम बंगाल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र कुमार बोस ने कहा- BJP में शामिल होना एक गलती थी, TMC में शामिल होकर इसे सुधारा।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

मध्य प्रदेश में पहली बार रात में लू का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/राय-पुर/दिल्ली। देश के मैदानी इलाकों में तेज गर्मी जारी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा और दिल्ली में कई जगह पारा 44°C पार पहुंच गया है। कई जगह लू का भी अलर्ट है। मध्य प्रदेश के भोपाल में पहली बार रात में लू चलने की चेतावनी दी गई है।

फूड पॉइजनिंग से 200 लोग बीमार

गुजरात। गुजरात के दाहोद जिले में शादी के दौरान फूड पॉइजनिंग से 200 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। इनमें से 59 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना सोमवार रात की है। शादी में 400 से ज्यादा लोग पहुंचे थे। रात 8 बजे के आसपास डिनर शुरू हुआ। कुछ लोगों के मुताबिक, आम का जूस पीने के बाद तबीयत बिगड़ने लगी। बीमार लोगों को तुरंत नजदीकी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया। बाद में यह संख्या 200 से ज्यादा हो गई। दाहोद कलेक्टर योगेश निर्गुडे ने बताया कि अभलोड गांव में शादी के दौरान खाना खाने के बाद 230 लोगों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई। डॉक्टर डॉ. राजीव डामोर ने बताया कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों की हालत ठीक है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं

नई दिल्ली। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। कोर्ट ने पूछा, 'मूर्ति छूना ईश्वर का अपमान कैसे हो सकता है और वे अपवित्र कैसे हो जाते हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, 'क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा, जिसे केवल उसके वंश और जन्म के कारण देवता को छूने से रोक दिया जाता है।'

विज्ञान और धर्म दोनों से नहीं मिली शांति : भागवत
दुनिया अब भारत के ज्ञान से उम्मीद लगा रही

तमसा संकेत, एजेंसी

अगरतला। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि 2000 साल तक शासन, धर्म और विज्ञान के अलग-अलग प्रयोगों के बाद अब दुनिया भटक गई है और भारत के ज्ञान की ओर देख रही है। उन्होंने यह बात त्रिपुरा के मोहनपुर में धार्मिक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि कुछ 'दुष्ट शक्तियां' इस बात से चिंतित हैं कि अगर भारत अपनी सदियों पुरानी सभ्यतागत ताकत के सहारे आगे बढ़ा, तो उनकी दुकानें बंद हो जाएंगी। भागवत मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के लोगों के बीच धार्मिक और भाषाई आधार पर फूट डालने की कोशिशें की जा रही हैं। भारत की असली ताकत उसकी विविधता में एकता में निहित है। भागवत ने कहा, जिन देशों का इतिहास 4,000 या 5,000 साल से ज़्यादा पुराना नहीं है।

त्रिपुरा के मोहनपुर में मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम को संबोधित करते RSS प्रमुख मोहन भागवत।

>> (शेष पेज 04 पर)

आरोप- राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्षी सांसदों के वोट पर सवाल उठाए, कार्रवाई की मांग
कांग्रेस का पीएम के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि पीएम ने 'राष्ट्र के नाम संबोधन' में विपक्षी सांसदों के वोट और उनके इरादों पर सवाल उठाए थे। यह नियमों के खिलाफ है। वेणुगोपाल ने लिखा कि पीएम ने करीब 29 मिनट के संबोधन में विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण बिल रोकने का आरोप लगाया। सांसदों के वोटिंग पैटर्न पर सवाल उठाए। उनके फैसलों के पीछे की मंशा पर भी टिप्पणी की। कांग्रेस सांसद ने मांग की है कि इस मामले को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति को भेजा जाए और प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए। पीएम नरेंद्र मोदी ने 18 अप्रैल को देश को संबोधित किया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके जैसे विपक्षी दल इस भ्रूणहत्या के गुनहगार हैं। ये देश के संविधान के अपराधी हैं। नारी शक्ति के अपराधी हैं। जिन लोगों ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी। दरअसल, लोकसभा में 17 अप्रैल को महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान (131वां संशोधन) बिल पास नहीं हो सका था। बिल में लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव था।

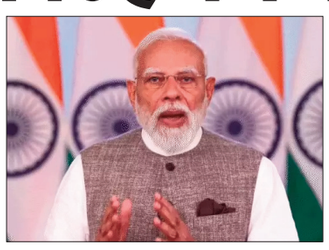

जयराम रमेश बोले- पीएम ने कांग्रेस पर 59 बार टारगेट किया

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन आमतौर पर देश को जोड़ने और भरोसा बढ़ाने के लिए होता है। इस बार संबोधन में खुलकर राजनीतिक बात हुई। कांग्रेस पर 59 बार निशाना साधा गया। इसे प्रधानमंत्री के रिकॉर्ड पर एक और दाग माना जाएगा।

स्पीकर को लिखे लेटर की चार मुख्य बातें...

- इस तरह के बयान चुने हुए सांसदों की स्वतंत्रता और उनकी ईमानदारी पर सवाल खड़े करते हैं। इससे संसद की गरिमा और अधिकार कमजोर होते हैं।
- संविधान सांसदों को स्वतंत्र रूप से काम करने का अधिकार देता है। कोई भी व्यक्ति यहां तक कि प्रधानमंत्री भी, उनके वोट या आचरण पर सवाल नहीं उठा सकता।
- किसी सांसद ने संसद में क्या कहा या कैसे वोट किया, उसके पीछे कारण बताना गलत है। ये सदन के विशेषाधिकार का गंभीर उल्लंघन और अवमानना है।
- यह विधेयक महिला आरक्षण के नाम पर लाया गया था, लेकिन इसके जरिए परिसीमन से जुड़े प्रावधानों में बदलाव की कोशिश थी। विपक्ष इसी का विरोध कर रहा था।

क्या है विशेषाधिकार हनन?

संसद के सांसदों और समितियों को कुछ खास अधिकार दिए जाते हैं, ताकि वे बिना दबाव के अपना काम कर सकें।

अगर कोई सांसद या कोई बाहरी व्यक्ति इन अधिकारों में दखल देता है या उन्हें नुकसान पहुंचाता है, तो इसे विशेषाधिकार हनन माना जाता है।

ऐसे मामले में कोई भी सांसद सदन में प्रस्ताव ला सकता है और कार्रवाई की मांग कर सकता है। विपक्ष इसी का विरोध कर रहा था।

समझौता : जल्द बड़ी डील हो सकती है, ऐसा नहीं हुआ तो सेना हमले को तैयार, सीजफायर नहीं बढ़ाएंगे

मैंने ईरान में सत्ता बदल दी : ट्रम्प

तमसा संकेत, एजेंसी

तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने ईरान में सत्ता बदल दी है। बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच जल्द एक बड़ी डील हो सकती है। मौजूदा हालात में ईरान के पास समझौता करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर डील नहीं हुई, तो अमेरिकी सेना हमले के लिए पूरी तरह तैयार है और आदेश मिलते ही कार्रवाई कर सकती है। ट्रम्प ने साफ किया कि वह सीजफायर को आगे नहीं बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, हमारे पास ज्यादा समय नहीं है। ट्रम्प ने बताया कि सीजफायर के दौरान अमेरिका ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाई है। उन्होंने कहा, "हमारे पास बहुत ज्यादा गोला-बारूद है, हमने इस समय का इस्तेमाल तैयारी में किया।" दूसरी ओर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कुछ ही देर में पाकिस्तान के लिए रवाना होने वाले हैं। वेंस के साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी पाकिस्तान पहुंचेंगे। धीमी आवाजाहीः सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट से सिर्फ 16 जहाज गुजरे। मरीन ट्रैफिक डेटा के मुताबिक, सोमवार को 9 जहाज होर्मुज में दाखिल हुए, जिनमें 2 ईरानी झंडे वाले जहाज थे, जिनमें से एक तेल टैंकर था।

>> (शेष पेज 04 पर)

ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर तोड़ने का आरोप लगाया

अमेरिका के सीजफायर उल्लंघन के आरोपों के बाद अब ईरान ने भी पलटवार किया है। ईरान की सेना ने कहा है कि अमेरिका ने खुद युद्धविराम तोड़ा है। की खाड़ी में एक अमेरिकी युद्धपोत ने ईरानी झंडे वाले मालवाहक जहाज पर फायरिंग की।

पिछले 24 घंटे के 3 बड़े अपडेट्स

धीमी आवाजाहीः सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट से सिर्फ 16 जहाज गुजरे। मरीन ट्रैफिक डेटा के मुताबिक, सोमवार को 9 जहाज होर्मुज में दाखिल हुए, जिनमें 2 ईरानी झंडे वाले जहाज थे, जिनमें से एक तेल टैंकर था। वहीं 7 जहाज बाहर निकले, जिनमें एक ईरानी कार्गो जहाज शामिल था।

लेबनान-इजराइल वार्ताः इजराइल और लेबनान के बीच बातचीत का दूसरा दौर 23 अप्रैल को तय किया गया है। इससे पहले 16 अप्रैल को दोनों देशों की बातचीत हुई थी जिसमें दोनों देशों ने 10 दिनों के लिए सीजफायर पर सहमति जताई थी।

ईरानी जहाज सीजः अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे टूस्का नाम के एक ईरानी जहाज को पकड़ लिया। यह चीन से लौट रहा था। ईरान ने इस पर नाराजगी जताई और अंजाम भुगतने की चेतावनी दी।

एमपी में टैंकर ने कार को रौंदा, 5 की मौत
सबरीमाला के वकील बोले- भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

बड़वानी। मध्यप्रदेश के बड़वानी में एक तेज रफ्तार टैंकर ने कार को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उसमें सवार युवक अंदर ही फंस गए। हादसे में 3 युवकों की मौके पर मौत हो गई। वहीं दो गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा जुलवानिया टोल प्लाजा के पास मंगलवार दोपहर करीब 2.30 बजे हुआ। सभी युवक बारात में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में एक वाहन का डीजल खत्म होने पर कुछ युवक दूसरी कार से डीजल लेने गए थे। खरगोन की ओर से आ रहे टैंकर ने टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही जुलवानिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। युवक कार में फंसे रहे। मृतकों को कार से बाहर निकालने में करीब एक घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। गंभीर घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। यहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान दो और युवकों की मौत हो गई।

सम्पादकीय

मणिपुर में फिर हिंसा

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर कुछ वक्त की घोषित शांति के बाद एक बार फिर से सुलग उठा है। बीते सात अप्रैल को बिशनुपुर जिले के त्रोंगलाओबी गांव में हुए बम विस्फोट में एक बीएसएफ जवान के दो नाबालिग बच्चे मारे गए, जबकि उनकी मां घायल हो गईं। मृतकों में एक पांच महीने का नवजात शामिल था। मैतेई नागरिक समाज समूहों ने आरोप लगाया है कि चुड़ाचांदपुर के कुकी-ज़ो उग्रवादी समूह इस हमले के पीछे हैं और उन्होंने केंद्रीय सुरक्षा बलों को हटाने की मांग भी की है। इस घटना के बाद मैतेई समुदाय के लोगों ने भारी प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के कैंप पर हमला बोल दिया। अफवाहों का सहारा लेकर कुछ लोग कैंप में घुसने और हथियार लूटने की कोशिश करने लगे। स्थिति नियंत्रण से बाहर होते देख सीआरपीएफ जवानों ने फायरिंग की, जिसमें तीन स्थानीय निवासी मारे गए। इस तरह पांच मौतें पिछले 10 दिनों में हो चुकी हैं। राज्य में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। मेइरा पाइबी समूहों ने घाटी क्षेत्रों में पांच दिन का बंद बुलाया है और 25 अप्रैल तक दोषियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय और गृह मंत्री ने शांति की अपील की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोग न्याय की मांग कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि सुरक्षा बल हमलावरों की पहचान करने में नाकाम रहे हैं। फिलहाल इंटरनेट सेवाएं कई जिलों में निलंबित हैं और तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। यह सब देखकर भी अगर केंद्र सरकार और मणिपुर की बीजेपी सरकार जागती नहीं है, तो यह देश के लिए बेहद दुखद होगा कि एक राज्य पिछले 3 सालों से लगातार हिंसा की आग में झुलस रहा है और सरकार इसी फिक्र में है कि उसकी सियासी रोटी वहां पकेगी या नहीं। गौरतलब है कि इससे पहले मई 2023 में जो हिंसा मणिपुर में शुरु हुई थी, उसमें अब तक कम से कम 260 लोगों की जान जा चुकी है और लगभग 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं। यह हिंसा सबसे पहले मैतेई और कुकी समुदायों के बीच शुरू हुई थी और अब लगभग सभी समूह इसमें शामिल हो गए हैं। मणिपुर में मैतेई और कुकी पहले भी मिल-जुलकर नहीं रहते थे, मैतेई समुदाय मुख्य रूप से इंफाल घाटी के मैदानी इलाकों में रहते हैं, जबकि कुकी पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करते हैं। लेकिन तीन सालों की हिंसा के बाद अब मैतेई और कुकी न केवल अपने-अपने क्षेत्रों में सिमट गए हैं, बल्कि एक समुदाय के लोग दूसरे समुदाय के इलाके में जाने का जोखिम भी नहीं उठाते। एक राज्य के भीतर ऐसा बंटवारा एक भारत-श्रेष्ठ भारत के अनुरूप तो बिल्कुल नहीं है, लेकिन मोदी सरकार यह सब देखकर भी आंख फेर रही है। 2023 में हिंसा इसलिए भड़की थी, क्योंकि मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति दर्जा की मांग पर मणिपुर हाईकोर्ट ने फैसला लिया था कि मैतेई समुदाय को एसटी सूची में शामिल किया जाए। 2012 से ही मैतेई समुदाय यह मांग कर रहा था ताकि उन्हें आरक्षण, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में लाभ मिले। लेकिन तब कुकी-जो समुदाय ने डर जताया कि एसटी दर्जा मिलने पर मैतेई पहाड़ी क्षेत्रों में जमीन खरीद सकेंगे, उनकी राजनीतिक शक्ति बढ़ेगी जबकि आदिवासियों की जमीन, नौकरियाँ तथा संसाधन प्रभावित होंगे। इस फैसले का विरोध शुरु हुआ और 3 मई 2023 को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने पहाड़ी जिलों में 'ट्राइबल सॉलिडैरिटी यानी आदिवासी एकता मार्च' निकाला। इस मार्च के बाद इम्फाल घाटी और पहाड़ी क्षेत्रों में हिंसा भड़क उठी। और फिर उसकी आग कितनी फैल गई, ये सबने देखा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मणिपुर चर्चा में आ गया था, क्योंकि यहां दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनके साथ सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया था। तब भी तत्कालीन मुख्यमंत्री बीरेन सिंह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उम्मीद थी कि वे जल्द से जल्द हालात सामान्य करने के लिए कदम उठाएंगे। लेकिन बीरेन सिंह अपना इस्तीफा देने से बचते रहे और प्रधानमंत्री मणिपुर का नाम लेने से बचते रहे। संसद में इस विषय पर चर्चा टलती रही और नरेन्द्र मोदी का डर तो इतना बढ़ा कि उन्होंने मिजोरम में चुनाव प्रचार नहीं किया ताकि मणिपुर न जाना पड़े। पिछले साल फरवरी में एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा, सितंबर में प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर का दौरा किया और इस साल फरवरी में भाजपा के ही युम्नाम खेमचंद सिंह के नेतृत्व में नयी सरकार बनी। राजनीति लेकिन चंद महीनों की शांति के बाद अब फिर हिंसा भड़की है तो कुछ सवाल भी नए सिरे से खड़े हो गए हैं। जैसे, क्या युम्नाम खेमचंद सिंह भी मणिपुर की नाजुक जातीय संरचना को संभाल कर काम नहीं कर पा रहे हैं। दूसरा सवाल कि क्या सुरक्षा बलों और जांच एजेंसियों में कहीं कोई बड़ी खामी है, जो वो हिंसा को भड़कने और फैलने से रोक नहीं पा रहे हैं। तीसरा और सबसे अहम सवाल, क्या जिस वक्त देश ऊर्जा के गंभीर संकट में फंसा है, मोदी सरकार की नाकाम विदेश नीति की सच्चाई सबके सामने आ चुकी है, क्या ऐसे में मणिपुर में हिंसा की आड़ में कोई बड़ा खेल हो रहा है, जिस पर लोगों का ध्यान न जाए। ध्यान रहे कि मणिपुर हो या लद्दाख, ये प्राकृतिक संपदा के धनी क्षेत्र हैं और अब तक शांतिप्रिय ही रहे हैं। मगर अब वहां विघ्नसंतोषी ताकतें सिर उठा रही हैं।

पश्चिम बंगाल के चुनाव में महिलाओं की होगी निर्णायक भूमिका

लेकिन यह एक सच्चाई है कि ज़्यादातर महिला मतदाताएं तृणमूल की मुखिया ममता बनर्जी के साथ खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। यही वजह है कि उनका समर्थन उन चुनावी क्षेत्रों में भी, जहां कोई महिला उम्मीदवार नहीं है, भले ही ऊपरी तौर पर कम दिखे, लेकिन असल में वह बहुत ही निर्णायक और महत्वपूर्ण होता है।

'लक्ष्मी भंडार' महज़ एक आर्थिक हस्तक्षेप से कहीं ज़्यादा है। यह एक सामाजिक-राजनीतिक पुनर्संतुलन का प्रयास है। इस योजना ने महिलाओं को, सिर्फ अपने लिंग के आधार पर ही, इस योजना का लाभार्थी बनने का अवसर प्रदान किया है। इसके परिणामस्वरूप, मतदान का अधिकार अब महिला मतदाताओं के लिए अपनी पहचान और अपनी बात को ज़ोरदार ढंग से रखने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। बयानबाजी, नए गठजोड़ और आपसी आरोपों-प्रत्यारोपों के बीच, पश्चिम बंगाल की महिला मतदाताएं पिछले एक दशक में एक शक्तिशाली ताकत के रूप में उभरी हैं, क्योंकि उनके फैसले अब सरकारों के भविष्य को तय करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस, जिसका पिछले 15 सालों से राज्य पर एकछत्र राज रहा है, ने इस चुनावी मुकाबले में सबसे ज़्यादा महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। कुल मिलाकर, पिछली राज्य विधानसभा में टीएमसी की ओर से 41 महिला विधायकों ने प्रतिनिधित्व किया था। तेज़-तर्रार नेता ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली इस राजनीतिक पार्टी ने देश भर की अन्य राजनीतिक पार्टियों की तुलना में ज़्यादा महिलाओं को चुनाव में उतारा है। राजनीति यह विधानसभा की कुल सदस्य संख्या का 13.94 प्रतिशत है, जो कि देश भर की अन्य राज्य विधानसभाओं के 8 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से काफी ज़्यादा है। टीएमसी की बदौलत, महिला मतदाताएं अब चुनावी समीकरणों में सिर्फ एक सहायक भूमिका नहीं निभा रही हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 3,76,00,611 महिला मतदाताएं हैं। आने वाले चुनावों में सभी उम्मीदवार इस वर्ग को अपने पक्ष में करने की पूरी कोशिश करेंगे, ताकि वे राजनीतिक माहौल को अपने पक्ष में मोड़ सकें। टीएमसी सरकार की प्रमुख सामाजिक कल्याण योजना, 'लक्ष्मी भंडार' ने लोगों की राजनीतिक निष्ठाओं और उनकी आर्थिक वास्तविकताओं को पूरी तरह से बदल दिया है। 2021 में शुरू की गई इस योजना के 2.2 करोड़ लाभार्थी हैं, और इस पर खर्च किए गए हज़ारों करोड़ रुपये की राशि ने टीएमसी को लगातार चुनावों में ज़बरदस्त राजनीतिक फ़ायदा पहुंचाया है, जिससे विपक्षी दलों के लिए अपनी जगह बना पाना और भी मुश्किल हो गया है। 'लक्ष्मी भंडार' महज़ एक आर्थिक हस्तक्षेप से कहीं ज़्यादा है। यह एक सामाजिक-राजनीतिक पुनर्संतुलन का प्रयास है। इस योजना ने महिलाओं को, सिर्फ अपने लिंग के आधार पर ही, इस योजना का लाभार्थी बनने का अवसर प्रदान किया है। इसके परिणामस्वरूप, मतदान का अधिकार अब महिला मतदाताओं के लिए अपनी पहचान और अपनी बात को ज़ोरदार ढंग से रखने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। आंकड़े खुद-ब-खुद अपनी कहानी बयां करते हैं। जहां टीएमसी ने 52 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, वहीं वामपंथी दलों ने 34 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है; जबकि 2026 के राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और भाजपा ने क्रमशः 35 और 33 महिला उम्मीदवारों को चुनाव में उतारा है। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि टीएमसी ने बड़ी संख्या में महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के मुद्दे पर अपनी आवाज़ बुलंद की है। राज्य टीएमसी की महिला विंग की प्रमुख चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि महिला मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मकसद उनकी पार्टी के वोट बैंक को नुकसान पहुंचाना है। लेकिन राज्य में महिलाओं के लिए चलाई जा रही सामाजिक कल्याण योजनाएं ही टीएमसी के पक्ष में महिलाओं के वोटों में आए बदलाव का एकमात्र कारण नहीं हैं। पश्चिम बंगाल की महिला मतदाताएं लंबे समय से अपनी गहरी राजनीतिक समझ के लिए जानी जाती रही हैं। उनके फैसले लेने का तरीका पारिवारिक चर्चाओं, सामाजिक दायरों और आखिर में वोटिंग बूथ की एकांत जगह में सामने आता है। यह पूरी तरह से राजनीतिक होता है और राज्य तथा महिला नागरिकों के बीच बदलते आपसी तालमेल से तय होता है। लेकिन महिला मतदाताओं के समर्थन को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह न तो एक जैसा होता है और न ही इसका पहले से अंदाज़ा लगाया जा सकता है। लक्ष्मी भंडार, कन्याश्री, रूपाश्री जैसी महिलाओं पर केंद्रित कुछ सामाजिक कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों के वोट टीएमसी को ही मिलेंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है। ये योजनाएं बस इस बात को पक्का करती हैं कि टीएमसी के राजनीतिक परिदृश्य में महिलाओं की मौजूदगी को सम्मान की नज़र से देखा जाए। महिला मतदाताओं के एक बड़े हिस्से को अपने पाले में करने के लिए, चुनावी प्रचार के तरीके में एक सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। चुनाव प्रचार संभालने वालों को इस बात को नजरअंदाज़ नहीं करना चाहिए कि कोलकाता की महिला मतदाताओं की प्राथमिकताएं, ग्रामीण इलाकों की महिलाओं की प्राथमिकताओं से अलग होंगी। इस विविधता को देखते हुए, महिलाओं से जुड़े मुद्दों को और भी बारीकी से समझने की ज़रूरत है। महिला मतदाताओं का यह समूह कई तरह के लोगों से मिलकर बना है, इसलिए उम्मीदवार और उनके चुनाव प्रचारकों को अपनी बात रखने से पहले इस बात को ध्यान में रखना होगा। रैलियां, गठबंधन और ज़ोरदार चुनावी अभियान हर चुनाव का एक अहम हिस्सा होते हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल की महिला मतदाताओं को अपना मन बनाने में मदद करने के लिए, एक ज़्यादा संवेदनशील और जवाबदेह रवैया अपनाना ज़रूरी है; महिलाओं पर केंद्रित सामाजिक कल्याण योजनाओं के अलावा, सबसे ज़्यादा महिला उम्मीदवारों को टिकट देना भी टीएमसी की लैंगिक संवेदनशीलता को दिखाता है। महिला मतदाताएं—या और भी साफ़ शब्दों में कहें तो उनमें से ज़्यादातर महिलाएं—'खामोश किंगमेकर' (सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाने वाली) होती हैं। कुछेक को छोड़कर, ज़्यादातर महिलाएं राजनीतिक मंच के सबसे शक्तिशाली मंच से अपनी बात नहीं रखतीं। हो सकता है कि उनकी आवाज़ सबसे ज़्यादा सुनाई देने वाली आवाज़ न हो।

तीर्थंकर मित्रा

जन सुराज का...

अशोक भाटिया

मोदी सरकार का महिलाओं के प्रतिनिधित्व के अधिकार के गलत आकलन

कहा जा रहा है कि मोदी सरकार का महिलाओं के प्रतिनिधित्व के अधिकार के गलत आकलन के कारण ही 131वां संवैधानिक (संशोधन) विधेयक, 2026 लोकसभा में पारित नहीं हो सका। इस विधेयक का उद्देश्य विस्तारित सदन में महिलाओं के लिए आरक्षण को बढ़ावा देना था, जहां 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सीटों का पुनर्वितरण किया जाना था। लेकिन सबसे पहले, मोदी सरकार की पिछले सप्ताह 131वां संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश करने की रणनीति पर गौर करें। इसके पीछे सरकार का यह आकलन था कि जिन राज्यों में लोकसभा में सीटों की संख्या घटने की आशंका है, वहां की राजनीतिक पार्टियां 2029 तक आरक्षण न मिलने की स्थिति में महिलाओं के आक्रोश के डर से विधेयक के पक्ष में मतदान करेंगी। दूसरे शब्दों में, वे लोकसभा में अपने राज्यों के प्रभाव में कमी आने की तुलना में महिलाओं का समर्थन खोने को ज्यादा अहमियत देंगी। यह आकलन महिलाओं के एक अत्यंत विशाल, एकजुट समूह के अस्तित्व को मानता है जो राजनीतिक रूप से इतना जागरूक है कि वे अपने और अपने परिवार की भौतिक आवश्यकताओं की तुलना में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता देती हैं। यदि यह धारणा सही होती, तो पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार, जिसने 1992-93 में स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया था, 1996 में सत्ता से बेदखल नहीं होती। मार्क्सवादी शब्दों में कहें तो, महिलाएं न तो अपने आप में एक वर्ग हैं और न ही अपने लिए एक वर्ग्ह। सभी महिलाओं की आर्थिक स्थिति एक जैसी नहीं होती, जिसके कारण वे अधिकांश नीतियों पर एकजुट नहीं हो पातीं क्योंकि ये नीतियां उनके विभिन्न वर्गों को अलग-अलग तरह से प्रभावित करती हैं। इसमें कोई शक नहीं कि 1990 के दशक की तुलना में महिलाओं का एक बढ़ता हुआ, अपेक्षाकृत एकजुट जनसमूह मौजूद है, जो मताधिकार के प्रयोग सहित पुरुषों के नियंत्रण से तेजी से स्वायत्त हो रहा है। फिर भी यह भी सच है कि यह जनसमूह राज्य और महिलाओं के बीच लेन-देन संबंधी संबंधों के कारण उभरा है। बिहार, हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र - वे राज्य जहां मई 2024 से विधानसभा चुनाव हुए हैं - में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उन सत्तारूढ़ दलों को मतदान किया जिन्होंने उनके बैंक खातों में धन हस्तांतरित किया। मोदी और भाजपा इस तथ्य को समझने में विफल रहे कि महिलाओं के लिए आरक्षण की तुलना में नकद हस्तांतरण कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। इसी गलतफहमी के चलते उन्होंने 131वें संवैधानिक संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए संसद का विशेष सत्र पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों से कुछ दिन पहले बुलाया, यह सोचकर कि वहां की सत्ताधारी पार्टियां महिलाओं के लिए आरक्षण का समर्थन करेंगी, बजाय इसके कि वे महिलाओं का समर्थन खोने का जोखिम उठाएं। तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम, दोनों ने ही महिलाओं के लिए आरक्षण की बजाय भारत की संघीय संरचना को प्राथमिकता देना बेहतर समझा। यह बात बिल्कुल समझ में आती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ही लीजिए, जिन्हें महिलाओं के बीच जबरदस्त समर्थन प्राप्त है, जो उनके द्वारा महिलाओं को दी गई आर्थिक सहायता पर आधारित है। उदाहरण के लिए, लक्ष्मी भंडार योजना के तहत, बनर्जी 2021 से 25-60 वर्ष की महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपये हस्तांतरित कर रही हैं, जिसे 2026 के बजट में बढ़ाकर 1,500 रुपये कर दिया गया है। उन लड़कियों को भी भुगतान किया जाता है जो अपनी शिक्षा जारी रखती हैं और 18 वर्ष की आयु में विवाह नहीं करती हैं; साथ ही गरीब परिवारों को अपनी बेटियों का विवाह करने के लिए अनुदान भी दिया जाता है। ये योजनाएँ महिलाओं के लिए आरक्षण की तुलना में चुनावी दृष्टि से कहीं अधिक प्रभावी साबित होंगी, खासकर इसलिए क्योंकि लैंगिक प्रतिनिधित्व के मामले में तृणमूल का प्रदर्शन भाजपा से कहीं बेहतर है। तृणमूल ने मौजूदा विधानसभा चुनाव में 55 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जो भाजपा से 22 अधिक हैं। इसके अलावा, तृणमूल के 38 प्रतिशत सांसद महिलाएं हैं, जो सभी दलों में सबसे अधिक है; बंगाल में 13.7 प्रतिशत विधायक महिलाएं हैं, जो सभी राज्य विधानसभाओं में दूसरा सबसे अधिक आंकड़ा है। लैंगिक प्रतिनिधित्व के मामले में डीएमके का प्रदर्शन निराशाजनक है—इसके 22 सांसदों में से केवल तीन और 133 विधायकों में से छह महिलाएं हैं। फिर भी, डीएमके महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये का हस्तांतरण करके उनसे अपना संबंध मजबूत कर सकती है। पार्टी के सत्ता में लौटने पर महिलाओं को अपनी पसंद के घरेलू उपकरण खरीदने के लिए 8,000 रुपये के कूपन मिलेंगे। करोड़ों महिलाओं को ऐसी कई योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

उस इंटरव्यू में...

सुभाष शिरढोनकर

धारावाहिक 'जगद्धात्री' की 'माया देशमुख', सायंतनी घोष

छोटे पर्दे के लोकप्रिय धारावाहिक 'महाभारत' (2013) में राजमाता सत्यवती के रोल के लिए हर किसी से तारीफ बटोरने वाली एक्ट्रेस सायंतनी घोष पिछले साल से शुरू धारावाहिक 'जगद्धात्री' में घर और बिजनैस, दोनों संभालने वाली माया देशमुख के किरदार में नजर आ रही है। इस लीड रोल में उन्हें जबर्दस्त एक्शन करने का मौका मिला। 06 सितंबर 1983 को कोलकाता में पैदा हुई सायंतनी घोष ने पढाई खत्म करने के बाद अपने करियर की शुरूआत मॉडलिंग से की। उसके बाद बंगाली फिल्म 'राजू अंकल' (2005) के जरिए सिल्वर स्क्रीन और धारावाहिक 'एक दिन प्रतिदिन' (2005) से टीवी के छोटे पर्दे पर लगभग एक साथ कदम रखा। टीवी शो 'नागिनः वादों की अग्निपरीक्षा' (2007-2009) के जरिए सायंतनी को पहचान मिली। इस शो के बाद वह इंडस्ट्री की सुपरहिट एक्ट्रेस बन गईं। यह शो इतना पॉपुलर हुआ कि सायंतनी घोष ने टीवी की पहली नागिन के तौर पर पहचान स्थापित करते हुए इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम बना लिया। इस रोल ने सायंतनी को घर-घर में मशहूर कर दिया । इसकी वजह से वह टीवी की दुनिया के जाने-माने चेहरे में से एक बन गईं। इस शो का प्रसारण खत्म होने के बाद यही शो उनके लिए सबसे बड़ी मुसीबत बन गया। शो खत्म होते ही वह बेरोजगार ही हो गई । उन्हें अगले कुछ साल तक कोई काम नहीं मिला। सायंतनी के पास सारे पैसे भी खत्म हो गए. नौबत यहां तक आ गई कि उन्हें अपना घर और कार तक बेचना पड़ गये। सायंतनी टेली टॉक इंडिया को दिए गए इंटरव्यू में अपने मुश्किल और स्ट्रगल भरे दिनों के बारे में बात करते हुए अपना दर्द बयां कर चुकी हैं। उस दौरान उन्होंने बताया कि किस तरह वह 'नागिन' के बाद अच्छे काम की तलाश कर रही थीं, लेकिन इस शो की वजह से उन्हें काम नहीं मिल रहा था, क्योंकि उनकी इमेज 'नागिन' वाली बन गई थी। उस इंटरव्यू में लगभग रूंआसी होते हुए सायंतनी घोष ने बताया था कि लाख मिन्नतों के बाद भी 'मेकर्स उन्हें काम नहीं दे रहे थे। ये उनके लिए बहुत ज्यादा कशमकश वाला दौर था। लेकिन विपरीत परिस्थितियों में भी सायंतनी ने अपना हौसला बनाये रखा और कुछ रियलिटी शो में छोटा मोटा काम करते हुए गुजर बसर की। उसके बाद अचानक एक दिन किस्मत को सायंतनी पर रहम आ गया और उन्हें 'अदालत' (2010-2011) में प्रणाली गुजराल का किरदार मिल गया। इस शो के साथ उन्होंने जोरदार वापसी की। फिर उन्हें कभी पलट कर देखने की जरूरत नहीं हुई। उन्होंने 'महाभारत' (2013), 'नामकरण' (2016-2018), 'संजीवनी 2' (2019-2020), 'नागिन 4' (2019-2020), 'मैडम सर' (2021) और 'दहेज दासी' (2024-2025) जैसे शोज किए, जिनके लिए आज भी उन्हें याद किया जाता है। हिंदी टीवी सीरियल के अलावा सायंतनी घोष को बंगाली फिल्म इंडस्ट्री में उनके काम के लिए भी जाना जाता है। 'नायकः द रीयल हीरो' (2005) 'स्वप्नो' (2006) 'संघर्ष' (2007) और सेंटीमेंटल' (2024) जैसी बंगाली फिल्मों में उनके निभाए गए किरदार दर्शकों के दिलों में बसते हैं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

डॉ. शैलेश शुक्ला

शोध संस्कृति के क्षेत्र में पिछड़ता भारतः अधूरे विकास की गंभीर चुनौती

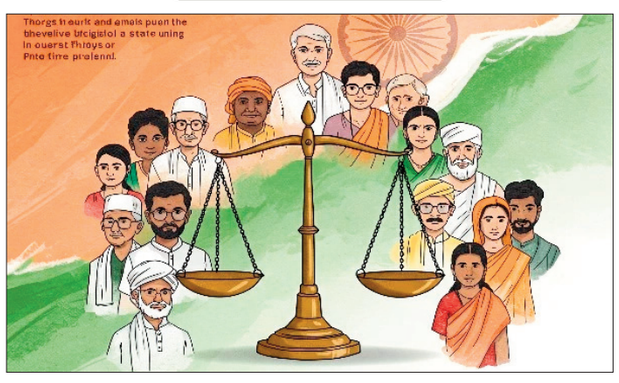

भारत को लंबे समय से ज्ञान, शिक्षा और बौद्धिक परंपरा का देश माना जाता रहा है। प्राचीन काल में यहाँ तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वप्रसिद्ध शिक्षण केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन और शोध के लिए आते थे। उस समय भारत ज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी था परंतु आज की स्थिति इस गौरवशाली परंपरा के अनुरूप नहीं है। वर्तमान समय में जब पूरी दुनिया ज्ञान-आधारित विकास की ओर बढ़ रही है, तब भारत में शोध की संस्कृति अपेक्षित स्तर तक विकसित नहीं हो पाई है। यही कारण है कि अनेक गंभीर समस्याएँ, जिनका समाधान शोध के माध्यम से संभव था, आज भी जस की तस बनी हुई हैं। विशेष रूप से बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे इस कमी के सबसे बड़े उदाहरण हैं। यदि हम विश्व स्तर पर तुलना करें तो स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि भारत शोध के क्षेत्र में विकसित देशों से काफी पीछे है। विश्व के अनेक प्रतिष्ठित आंकड़ों के अनुसार भारत अपने कुल राष्ट्रीय उत्पादन का बहुत ही छोटा हिस्सा शोध पर खर्च करता है। इसके विपरीत, विकसित देश अपने संसाधनों का बड़ा भाग अनुसंधान और नवाचार पर निवेश करते हैं। यही कारण है कि वहाँ नई तकनीकें विकसित होती हैं, नए उद्योग स्थापित होते हैं और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। भारत में यह प्रक्रिया धीमी है, क्योंकि शोध को अभी तक राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में उतनी गंभीरता से नहीं लिया गया है। शोध के क्षेत्र में पिछड़ने का एक बड़ा कारण हमारे शैक्षणिक संस्थानों की स्थिति भी है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शोध का कार्य अक्सर औपचारिकता बनकर रह गया है। शोधार्थी केवल डिग्री प्राप्त करने के उद्देश्य से शोध करते हैं, न कि समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए। शोध प्रबंधों की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न उठते रहे हैं। अनेक बार यह देखा गया है कि शोध में मौलिकता का अभाव होता है और पहले से उपलब्ध सामग्री को ही दोहराया जाता है। इससे न तो ज्ञान में कोई नई वृद्धि होती है और न ही समाज को कोई ठोस लाभ मिलता है। इसके विपरीत, विकसित देशों में शोध को समाज और उद्योग से सीधे जोड़ा जाता है। वहाँ विश्वविद्यालय, उद्योग और शासन के बीच एक सशक्त समन्वय होता है। शोध केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका सीधा उपयोग नई तकनीकों, उत्पादों और सेवाओं के रूप में होता है। यही कारण है कि वहाँ की अर्थव्यवस्था अधिक गतिशील और सशक्त होती है। भारत में इस प्रकार का समन्वय अभी प्रारंभिक अवस्था में है जिससे शोध के परिणामों का व्यापक उपयोग नहीं हो पाता। भारत में बेरोजगारी एक गंभीर और लगातार बनी रहने वाली समस्या है। यदि इस विषय पर गहराई से शोध किया गया होता, तो इसके स्थायी समाधान खोजे जा सकते थे। बेरोजगारी के अनेक कारण हैं—शिक्षा और उद्योग के बीच असंगति, कौशल विकास की कमी, और रोजगार के अवसरों का असमान वितरण। इन सभी पहलुओं पर ठोस और व्यापक शोध की आवश्यकता थी परंतु इस दिशा में अपेक्षित प्रयास नहीं हुए। परिणामस्वरूप, बड़ी संख्या में शिक्षित युवा आज भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यदि शोध के माध्यम से शिक्षा प्रणाली को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाता, तो यह समस्या काफी हद तक कम की जा सकती थी। इसी प्रकार भ्रष्टाचार भी एक ऐसी समस्या है, जो लंबे समय से देश के विकास में बाधा बन रही है। भ्रष्टाचार केवल नैतिक समस्या नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और प्रशासनिक अक्षमता का भी परिणाम है। यदि इस विषय पर गहन और निरंतर शोध किया जाता, तो इसके मूल कारणों की पहचान कर प्रभावी नीतियाँ बनाई जा सकती थीं। उदाहरण के लिए, प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जटिलता, पारदर्शिता की कमी और जवाबदेही का अभाव—ये सभी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं। शोध के माध्यम से इन समस्याओं का विश्लेषण कर सरल और पारदर्शी व्यवस्थाएँ विकसित की जा सकती थीं, जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण पाया जा सकता था। शोध के क्षेत्र में पिछड़ने का एक और महत्वपूर्ण कारण वित्तीय संसाधनों की कमी है। भारत में शोध के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध नहीं कराया जाता, जिससे वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आधुनिक उपकरणों की कमी, प्रयोगशालाओं का अभाव और शोध परियोजनाओं के लिए सीमित अनुदान—ये सभी समस्याएँ शोध की गति को प्रभावित करती हैं। इसके विपरीत, विकसित देशों में शोध के लिए भरपूर संसाधन उपलब्ध होते हैं, जिससे वहाँ के वैज्ञानिक नए-नए प्रयोग कर पाते हैं और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा में आगे रहते हैं। इसके अतिरिक्त, भारत में शोध के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण भी एक चुनौती है। यहाँ अधिकतर लोग पारंपरिक रोजगार जैसे सरकारी नौकरी या निजी क्षेत्र में स्थायी पद को प्राथमिकता देते हैं। शोध को अक्सर एक अनिश्चित और कम लाभकारी विकल्प माना जाता है। इस कारण प्रतिभाशाली युवा शोध के क्षेत्र में जाने से बचते हैं। यदि समाज में शोध के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जाए और इसे सम्मानजनक तथा आकर्षक बनाया जाए, तो अधिक से अधिक युवा इस क्षेत्र में आगे आएंगे। शोध के अभाव का प्रभाव केवल विज्ञान और तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में अनेक समस्याएँ हैं, जिनका समाधान शोध के माध्यम से किया जा सकता था। उदाहरण के लिए, कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने, जल प्रबंधन सुधारने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर शोध की आवश्यकता है। इसी प्रकार, स्वास्थ्य क्षेत्र में नई बीमारियों से निपटने और सस्ती चिकित्सा सुविधाएँ विकसित करने के लिए भी शोध अत्यंत आवश्यक है। हालांकि, यह कहना पूरी तरह से सही नहीं होगा कि भारत में शोध का कोई विकास नहीं हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में इस दिशा में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं। नई शिक्षा नीति में शोध को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

अफगानी पेसर शापूर जादरान आईसीयू में भर्ती

दिल्ली अस्पताल में दुर्लभ एचएलएच बीमारी का इलाज चल रहा, 80 इंटरनेशनल मैच खेले

दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान दिल्ली के एक अस्पताल के ICU में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। उन्हें हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियो-साइटोसिस (HLH) नाम की दुर्लभ और जानलेवा बीमारी है।

ESPNcricinfo के मुताबिक, बीमारी स्टेज चार में पहुंच चुकी है और हालत गंभीर है। 39 साल के होने जा रहे शापूर जनवरी में इलाज के लिए भारत आए थे। शुरुआत में हालत में थोड़ा सुधार हुआ, लेकिन बाद में संक्रमण फिर बढ़ गया। फिलहाल वे बहुत कम बोल पा रहे हैं और ज्यादा समय सोते हैं। डॉक्टरों के अनुसार HLH में इम्यून सिस्टम शरीर पर हमला करने लगता है। इससे बोन मैरो, लीवर, स्प्लीन और लिम्फ नोड्स प्रभावित होते हैं। यह बीमारी आमतौर पर बच्चों में होती है, लेकिन कमजोर इम्यूनिटी वाले वयस्कों में भी हो सकती है। स्पिनर एएम गजनफर, कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी और ACB चेयरमैन मिरवाइस अशरफ समेत कई लोगों ने शापूर का हालचाल लिया है। पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी शाहिद अफरीदी ने भी फोन कर जानकारी ली। पूर्व अफगान राष्ट्रपति हामिद करजई भी उनसे मिलने या

शापूर ने अपना डेब्यू मैच नीदरलैंड के खिलाफ 2009 में खेला था।

वीजा के लिए राशिद ने मदद की

भारत आने के लिए उनका वीजा जल्दी मंजूर हुआ। इसमें राशिद खान और ACB चेयरमैन मिरवाइस अशरफ ने मदद की। अशरफ ने ICC चेयरमैन जय शाह से संपर्क किया, जबकि राशिद ने IPL और अन्य लीग्स के संपर्कों से मदद ली। 18 जनवरी को शापूर दिल्ली पहुंचे और अस्पताल में भर्ती हुए। उनके साथ पत्नी और पूर्व साथी खिलाड़ी असगर अफगान भी थे। उनके भाई गमाई जादरान, जो कनाडा में रहते हैं, 26 जनवरी को जुड़ गए।

2009 में पहला मैच खेला

शापूर जादरान ने 2009 से 2020 के बीच अफगानिस्तान के लिए 80 इंटरनेशनल मैच खेले, जिनमें 44 वनडे और 36 टी20 शामिल हैं। उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में पहली बार तबीयत खराब होने की शिकायत की थी। इसके बाद अफगानिस्तान के डॉक्टरों ने उन्हें भारत जाकर इलाज कराने की सलाह दी। गमाई जादरान के मुताबिक, शुरुआत में शापूर के पूरे शरीर में गंभीर संक्रमण था, जिसमें टीबी भी शामिल थी। MRI और CT स्कैन में संक्रमण दिमाग तक पहुंचने की बात सामने आई।

20 दिन बाद संक्रमण दोबारा बढ़ गया

करीब 20 दिन बाद संक्रमण दोबारा बढ़ गया और उन्हें फिर अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। इसके बाद उन्हें डेंगू हो गया, जिससे हालत और बिगड़ गई। करीब 26 मार्च को रमजान के दौरान उनका बोन मैरो टेस्ट हुआ, जिसमें पता चला कि वे HLH के स्टेज चार में हैं। इस दौरान अफगानिस्तान क्रिकेट समुदाय ने उनका पूरा साथ दिया है।

शापूर जादरान ने टी-20 डेब्यू आयरलैंड के खिलाफ 2010 में किया था।

एचएलएच क्या है?

हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस (HLH) बहुत ही दुर्लभ लेकिन खतरनाक बीमारी है। इसमें शरीर की इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरोधक क्षमता) जरूरत से ज्यादा एक्टिव हो जाती है और गलती से शरीर की अपनी ही कोशिकाओं पर हमला करने लगती है। इसके कारण मरीज को लगातार तेज बुखार आता है और खून की कोशिकाएं कम होने लगती हैं (जिसे साइटोपेनिया कहते हैं)। यह बीमारी ज्यादा तर बच्चों में देखी जाती है, लेकिन किसी भी उम्र के लोगों को हो सकती है।

शापूर का वजन करीब 14 किलो घट चुका है। दूसरी बार भर्ती होने के समय वजन 98 किलो था, जो अब करीब 84 किलो रह गया है। उनके भाई के मुताबिक, हाल में दिए गए स्टेरॉयड का असर दिख रहा है और इससे उम्मीद है कि हालत में सुधार हो सकता है।

बैंकॉक चेस ओपन, अरण्यक बने भारत के 95वें ग्रैंडमास्टर

हर मैच करियर बचाने की चुनौती मानकर खेलते थे

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय शतरंज के लिए हालिया हफ्ता ऐतिहासिक उपलब्धियों वाला रहा। आर. वैशाली के महिला वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने और एएस श्रावणिका के अंडर-12 रैपिड खिताब जीतने के बाद, अब कोलकाता के अरण्यक घोष ने भारत का 95वां ग्रैंडमास्टर बनकर देश का गौरव बढ़ाया है। नेशनल रैपिड चैम्पियन अरण्यक ने बैंकॉक चेस क्लब ओपन में 9 में से 7 अंक हासिल कर अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म प्राप्त किया। अरण्यक को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ा परिश्रम करना पड़ा। उन्होंने पहला नॉर्म 2023 (सैंट्स ओपन) और दूसरा 2024 (एनेमासे मास्टर्स) में हासिल किया था। उन्होंने पिछले साल फिडे वर्ल्ड कप में पोलैंड के माटुस्ज बार्टेल को हराकर सबको चौंकाया था। अरण्यक वर्ल्ड रैंकिंग में 401वें स्थान पर मौजूद हैं। बनाया। उनका कहना है कि बिस्तर पर रहने से बेहतर उन्हें चालें

सोचना लगता। यही जिद और मानसिक मजबूती उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। 2013 में अरण्यक ईरान में एशियन यूथ चेस चैम्पियनशिप खेलने गए। तब मां संचिता ने उन्हें ईरानी केसर लाने को कहा था। 9 साल के अरण्यक ने मां की यह इच्छा भी पूरी की और अंडर-10 वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर लौटे।

फास्ट न्यूज

सैयारा फेम अनीत पड्डा के दादा का निधन

नई दिल्ली। सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा के दादा का निधन हो गया। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर निधन की जानकारी देते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया। अनीत ने पोस्ट में लिखा, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा प्यार। आप धीरे-धीरे दूर जा रहे थे, लेकिन आपने 'मक्खन' को नहीं भुलाया। जब यादें साथ नहीं दे रही थीं, तब भी आपने प्यार को थामे रखा। अब मैं दोनों को संभालकर रखूंगी, आपकी यादें और आपका प्यार।

जापान में 7.7 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी

टोक्यो। जापान में सोमवार दोपहर 1:23 बजे (भारतीय समयानुसार) 7.7 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। भूकंप का केंद्र तट से करीब 100 किमी दूर समुद्र में 20 किमी गहराई पर था। जापानी मौसम एजेंसी (JMA) ने तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची सुनामी की चेतावनी जारी की है। साथ ही और भी बड़े भूकंप के लिए तैयार रहने को कहा है। भूकंप के बाद इवाते प्रांत में करीब 3 फीट, मियाको और हाचिनोहे में डेढ़ फीट तक लहरें दर्ज की गईं। इन इलाकों में पानी का स्तर बढ़ रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर बुलेट ट्रेन सेवाएं रोक दी गई हैं। होक्काइडो, आओमोरी, इवाते, मियागी और फुकुशिमा प्रान्तों के 1.7 लाख निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया गया है। JMA और कैबिनेट कार्यालय के अधिकारियों ने सोमवार शाम एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि होक्काइडो से लेकर चिबा तक 182 नगर पालिकाओं के लिए स्पेशल एडवाइजरी जारी की गई है।

आरबीआई ने रुपए के ट्रेड पर लगी पाबंदियां हटाईं

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी RBI ने 20 अप्रैल को रुपए की अस्थिरता को रोकने के लिए विदेशी मुद्रा डीलरों (फॉरेक्स डीलर्स) पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों को वापस ले लिया है। अब डीलर्स ऑफशोर नॉन-डेलिवरेबल फॉरवर्ड मार्केट (NDF) में फिर से पोजीशन ले सकेंगे। RBI के यह कदम उठाने से कुछ दिन पहले ही गवर्नर संजय मल्होत्रा ने संकेत दिया था कि ये पाबंदियां अनिश्चित काल के लिए लागू नहीं रहेंगी।

एयरपोर्ट पर शख्स को देखते ही अनुष्का ने छुए पैर

प्रेमानंद महाराज के आश्रम जाने से पहले मुलाकात हुई

मुंबई, एजेंसी

क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा हाल ही में वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे। वृंदावन जाने से पहले दोनों दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए, जिसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में विराट और अनुष्का एयरपोर्ट से बाहर निकलते दिख रहे हैं। बाहर आते ही अनुष्का वहां खड़े एक शख्स के पास गईं और उनके पैर छुए। इसके बाद उन्होंने उन्हें गले लगाया। अभी तक यह जानकारी सामने नहीं आई है कि ये शख्स कौन हैं। हालांकि कहा जा रहा है कि वो अनुष्का के अंकल हैं, जो विराट और अनुष्का को एयरपोर्ट पर रिसीव करने पहुंचे थे। वो भी अनुष्का और विराट के साथ वृंदावन गए। बता दें कि यह वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स अनुष्का की सादगी और संस्कार की तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स ने लिखा कि यही भारतीय संस्कृति की पहचान है। विराट और अनुष्का ने अक्षय तृतीया पर सोमवार को वृंदावन पहुंचकर संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। दोनों ने प्रेमानंद महाराज का सत्संग भी सुना। IPL के बिजी शेड्यूल के बीच विराट और अनुष्का रविवार देर शाम वृंदावन पहुंचे थे। दोनों होटल रेडिसन में ठहरे थे। सोमवार सुबह करीब 6 बजे वे संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम केलीकुंज पहुंचे। आश्रम में करीब ढाई घंटे रुकने के बाद दोनों होटल गए, जहां से सुबह करीब 10 बजे संत प्रेमानंद महाराज के गुरु संत हित गौरांगी शरण महाराज के वराह घाट स्थित आश्रम पहुंचे। यहां दर्शन कर फिर होटल लौटे और करीब 11 बजे रवाना हो गए।

फिल्म के बजट का आधे से ज्यादा हिस्सा कवर, पेन मरुधर ने डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स खरीदे

शाहरुख की किंग ने रिलीज से पहले 250 करोड़ कमाए

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग ने रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ का संकेत दे दिया है। फिल्म ने थिएटर में आने से पहले ही करीब 250 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है, जिससे इसका आधे से ज्यादा बजट पहले ही कवर हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स को पेन मरुधर ने 250 करोड़ रुपए में खरीदा है। यह डील इस साल की सबसे बड़ी थिएट्रिकल डील्स में से एक मानी जा रही है, जिसने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। पेन मरुधर और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बीच लंबे समय से प्रोफेशनल रिश्ता रहा है। कंपनी इससे पहले शाहरुख खान की कई फिल्मों को रिलीज कर चुकी है, जिससे दोनों के बीच भरोसे का मजबूत आधार बना हुआ है।

किंग का डायरेक्शन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स मिलकर कर रहे हैं।

राइट्स के लिए लगी थी होड़

फिल्म के डोमेस्टिक राइट्स को लेकर इंडस्ट्री की कई बड़ी कंपनियों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। ए.ए. फिल्म्स, जियो स्टूडियोज, पीवीआर आईनॉक्स पिक्चर्स, यशराज फिल्म्स और धर्मा प्रोडक्शंस जैसी कंपनियों ने भी इसके लिए बोली लगाई थी।

मल्टीस्टारर स्टारकास्ट से बढ़ी उम्मीदें

फिल्म में शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अरशद वारसी और अभय वर्मा जैसे कलाकार नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि किंग की कहानी एक मेंटर और शिष्य के रिश्ते पर आधारित है, जो विपरीत परिस्थितियों में अपने अस्तित्व और पहचान के लिए संघर्ष करते हैं।

ट्रम्प के ऐलान से पहले दांव लगाकर करोड़ों कमाए

बयान से कुछ मिनट पहले ट्रेडिंग में अचानक तेज उछाल, इनसाइडर ट्रेडिंग का शक गहराया

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के दौरान एक दिलचस्प और विवादित ट्रेंड देखने को मिला है। कई ट्रेडर्स (शेयर बाजार में दांव लगाने वाले लोग) बड़े ऐलान से ठीक पहले करोड़ों डॉलर के दांव लगाते दिखे हैं। कुछ एक्सपर्ट का मानना है कि यह इनसाइडर ट्रेडिंग का मामला हो सकता है। यानी सूचनाएं पहले ही लीक हो रही थीं, जिससे आम निवेशकों के भरोसे के साथ खिलवाड़ हो रहा है। वहीं कुछ दूसरे एक्सपर्ट्स कहते हैं कि मामला इतना सीधा नहीं है। कुछ ट्रेडर्स अब ट्रम्प के फैसलों और बयानों को पहले से भांपने में माहिर हो गए हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री पॉल क्रुगमैन ने पिछले महीने आरोप लगाया था कि ट्रम्प के करीबी लोगों ने अंदरूनी जानकारी का फायदा उठाकर क्रूड ऑयल मार्केट में करोड़ों डॉलर का खेल खेला है। 3 जनवरी को मादुरो को पद से हटा दिया गया। उस अकाउंट ने 4.36 लाख डॉलर (करीब 4 करोड़ रुपए) जीते और तुरंत अपना यूजरनेम बदलकर अनएक्टिव हो गया। इसी वजह से लोगों को शक है कि शायद उसे पहले से अंदर की जानकारी थी। ट्रम्प ने 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट तेहरान के साथ समस्या हल करने की घोषणा की। पोस्ट के तुरंत बाद शेयर बाजार में उछाल आया और अमेरिकी तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। संदिग्ध गतिविधिः ट्रम्प के पोस्ट से 14 मिनट पहले तेल की कीमतें गिरने पर बड़े दांव लगाए गए थे। इसे 'शॉर्ट सेलिंग' कहते हैं, जिसमें ट्रेडर्स ऊंची कीमत पर तेल बेचने का सौदा कर लेते हैं और दाम गिरते ही उसे सस्ते में खरीदकर मुनाफा कमाते हैं। प्रति बैरल 15 डॉलर की गिरावट से उस संदिग्ध समय में किसी को अनुमानित 250 करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा हुआ। ईरान युद्ध के 9वें दिन ट्रम्प ने इंटरव्यू में संघर्ष खत्म होने का दावा किया। खबर रात 7:16 बजे सोशल मीडिया पर आई, जिससे तेल की कीमतें 25% गिर गईं। लेकिन संदिग्ध ट्रेडिंग 47 मिनट पहले (6:29 बजे) ही शुरू हो गई थी। 'शॉर्ट सेलिंग' के जरिए 4,000 कॉन्ट्रैक्ट्स पर दांव लगाकर कुछ निवेशकों ने करीब 460 करोड़ का भारी मुनाफा कमाया, जो इनसाइडर ट्रेडिंग का संकेत है।

बीबीसी ने अलग-अलग फाइनेंशियल मार्केट के ट्रेड डेटा का विश्लेषण किया और उसे ट्रम्प के बड़े बयानों और घोषणाओं के समय से मिलाया। इसमें एक पैटर्न सामने आया कि कई बार उनके बयान आने से कुछ घंटे या मिनट पहले ही ट्रेडिंग में अचानक तेज उछाल दिखा।

3 जनवरी 2026: मादुरो पर अनुमान पर अकाउंट बना, कमाई के बाद बंद

ऑनलाइन प्रेडिक्शन मार्केट (जैसे पॉलीमार्केट और कलसी) भी संदेह के घेरे में आए। डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर इन मंचों से जुड़े हैं। दिसंबर 2025 में 'बर्डनसम-मिक्स' नाम का एक नया अकाउंट बना। 30 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच, इस अकाउंट ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के पद छोड़ने पर कुल 32,500 डॉलर लगाए।

भारत ने इजराइल की मदद कर कानून तोड़ा : फ्रांसेस्का अल्बनीज

हथियार भेजना नियमों के खिलाफ, इससे ग्लोबल सिस्टम कमजोर हो रहा

वॉशिंगटन, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भारत पर अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के साथ उसके संबंध और युद्ध के समर्थन को लेकर भारत की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी बनती है। 'टॉर्चर एंड जेनोसाइड' नाम की इस रिपोर्ट को UN स्पेशल दूत फ्रांसेस्का अल्बनीज ने 23 मार्च को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पेश किया। द हिंदू से बात करते हुए उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि इजराइल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है और उसे इसकी जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने इजराइल के कब्जे को गलत बताया है और देशों से हथियारों का लेन-देन रोकने को कहा है। इसके बावजूद

भारत का हथियार भेजना नियमों के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने कहा कि कानून के साथ-साथ भारत की नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है। उनका मानना है कि भारत का इतिहास और न्याय की सोच ऐसे फैसलों के खिलाफ खड़ी होती है, लेकिन अभी सरकार का रुख उससे अलग नजर आ रहा है। टॉर्चर एंड जेनोसाइड रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्टूबर 2023 से इजराइल ने गाजा और डिटेंशन सेंटर्स में फिलिस्तीनियों के खिलाफ व्यवस्थित यातना का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट में गाजा को बहुत बड़ा यातना शिविर बताया गया है। इसी रिपोर्ट के आधार पर अल्बनीज ने भारत की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इजराइल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है और उसे इसकी जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। इसी संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फरवरी में इजराइल यात्रा और 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का जिक्र किया। उनके अनुसार, यह संबंध अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करने की दिशा में जाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टॉर्चर केवल जेलों तक सीमित नहीं है। निगरानी, फेस रिकग्निशन, ड्रोन और चेकपॉइंट्स के जरिए फिलिस्तीनियों के जीवन पर लगातार नियंत्रण रखा जा रहा है। इससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी भी एक तरह के मानसिक और सामाजिक दबाव में रहती है।

तेजी : चांदी ₹612 सस्ती, ₹2.50 लाख पर आई, इस साल सोना ₹19 हजार महंगा हुआ

सोना ₹59 बढ़कर ₹1.52 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना के दाम में आज यानी 21 अप्रैल को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 59 रुपए बढ़कर 152,155 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 20 अप्रैल को इसकी कीमत 1,52,096 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं चांदी के दाम में आज गिरावट देखने को मिल रही है।

एक किलो चांदी 612 रुपए गिरकर 2,50,063 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को इसकी कीमत 2,50,675 रुपए प्रति किलो थी।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए और चांदी 20 हजार रुपए महंगी हुई है।

31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.50 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। अब इन कीमती धातुओं से बनी ज्वेलरी किसी भी देश से मंगाने के लिए सरकार से विशेष लाइसेंस या परमिशन लेना होगा।

विदेशी जेवर मंगाने के लिए लाइसेंस लेना होगा

सरकार ने सोने-चांदी और प्लेटिनम के गहनों को 'फ्री' कैटेगरी से हटाकर 'रिस्ट्रिक्टेड' कैटेगरी में डाल दिया है। इसका सीधा असर बाजार की सप्लाई पर दिख रहा है, जिससे सोना-चांदी की कीमतें बढ़ रही हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, अब इन कीमती धातुओं से बनी ज्वेलरी किसी भी देश से मंगाने के लिए सरकार से विशेष लाइसेंस या परमिशन लेना होगा। सरकार ने यह कदम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए उठाया है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

- **ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी:** एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।
- **खरीदारी की मात्रा:** दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।
- **लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन:** राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।
- **पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य:** ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

सेंसेक्स 650 अंक चढ़कर 79,200 के स्तर के पार

निफ्टी-50 में भी 150 अंक की तेजी, रियल्टी और ऑटो शेयर्स सबसे ज्यादा चढ़े

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी मंगलवार, 21 अप्रैल को तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 650 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 79,200 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में 150 अंक की बढ़त है, ये 24,500 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। रियल्टी और ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिल रही है।

ग्लोबल मार्केट से अच्छे संकेतः अमेरिकी बाजारों में मजबूती और एशियाई बाजारों (निक्केई और कोस्पी) में बढ़त का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ा। पॉजिटिव ग्लोबल सेंटीमेंट्स ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावटः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड की कीमतों में कमी आई है। भारत तेल का बड़ा आयातक है, इसलिए तेल सस्ता होने से इकोनॉमी और कंपनियों के मार्जिन को फायदा मिलता है।

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में नरमीः अमेरिका में 10 साल के ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में गिरावट आई है। जब बॉन्ड यील्ड गिरती है, तो विदेशी निवेशक (FIIs) भारतीय जैसे उभरते बाजारों में पैसा लगाना पसंद करते हैं। दिग्गज शेयरों में खरीदारीः रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे 'हैवीवेट' शेयरों में शुरुआती कारोबार में अच्छी खरीदारी देखी गई, जिससे इंडेक्स ऊपर चढ़ा।

शेयर बाजार में सोमवार, 20 अप्रैल को मामूली बढ़त रही। सेंसेक्स 27 अंक की तेजी के साथ 78,520 पर बंद हुआ। निफ्टी में 11 अंक की बढ़त रही, ये 24,365 के स्तर पर बंद हुआ। आज बैंकिंग, मीडिया और ऑटो शेयर्स में खरीदारी रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में गिरावट और 12 में बढ़त रही।

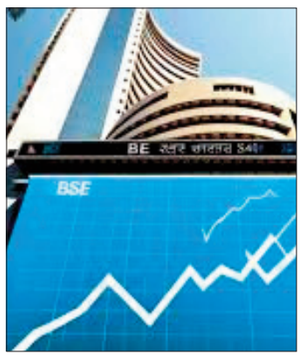

टिम कुक के बाद जॉन टर्नस संभालेंगे एपल की कमान

कैलिफोर्निया। टिम कुक की जगह अब जॉन टर्नस एपल के नए CEO होंगे। वे 1 सितंबर 2026 से कंपनी की कमान संभालेंगे। कुक अब कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे। बोर्ड ने सर्वसम्मति से इस योजना को मंजूरी दे दी है। टिम कुक 1998 में एपल से जुड़े थे और 2011 में CEO बने थे। उनके नेतृत्व में एपल की मार्केट वैल्यू 350 बिलियन डॉलर (करीब 32 लाख करोड़) से बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 350 लाख करोड़) हो गई है। कंपनी का सालाना रेवेन्यू भी 108 बिलियन डॉलर (करीब 10 लाख करोड़) से बढ़कर 2025 में 416 बिलियन डॉलर (39 लाख करोड़) के पार पहुंच गया है। जॉन टर्नस ने साल 2001 में इस टेक कंपनी को जॉइन किया था। वे तब प्रोडक्ट डिजाइन टीम का हिस्सा थे। वे कंपनी के फाउंडर स्टीव जॉब्स के साथ भी काम कर चुके हैं। एपल से पहले उन्होंने 'वर्चुअल रिसर्च सिस्टम्स' में एक मैकेनिकल इंजीनियर के तौर पर काम किया था।

हिंदू लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर लव जिहाद का आरोप, मेडिकल कैंप में करता था ब्रेनवॉश

केजीएमयू में फर्जी डॉक्टर पकड़ा

केजीएमयू प्रशासन ने हसम अहमद को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के KGMU) में मंगलवार को एक फर्जी डॉक्टर पकड़ा गया। आरोपी को पत्रकारों के सामने पेश करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया गया। उस पर आरोप है कि वह मेडिकोज को प्रेम जाल में फंसाकर धर्मांतरण की साजिश रच रहा था। साथ ही एम्स दिल्ली में अमेरिका के डॉक्टरों से मिलवाने के नाम पर छात्राओं को बाहर ले जाने की योजना बना रहा था। KGMU के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया- कुछ दिन पहले पैथोलॉजी विभाग में सामने आए रमीज मलिक प्रकरण के बाद कुलपति के निर्देश पर जांच टीम गठित की गई थी। इस टीम की जिम्मेदारी उन्हें दी गई थी। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। आरोपी हमेशा डॉक्टर की पोशाक में रहता था और उसके संपर्क में KGMU की 20 से ज्यादा छात्र-छात्राएं थीं। वह कई विभागों में आने-जाने का दावा करता था। हालांकि किन-किन स्टाफ से संपर्क था, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। जांच में सामने आया कि छात्राओं को दिए गए लेटर में फर्जी हस्ताक्षर थे। आरोपी ने KGMU के नाम से फर्जी लेटरहेड तैयार किया था। प्रशासन ने इसे बड़ी साजिश मानते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह 12वीं पास है और सिद्धार्थनगर का रहने वाला है। लखनऊ के शिया इंटर कॉलेज से पढ़ाई की है। उसने समाज सेवा के नाम पर एक संस्था बनाई थी, जिसके जरिए मेडिकल कैंप आयोजित करता था। छात्राओं के संपर्क में आने के सवाल पर वह स्पष्ट जवाब नहीं दे सका। उसने दावा किया कि उसके साथ चार डॉक्टर जुड़े हैं और वह जल्द अस्पताल खोलने वाला था।

हसम अहमद, फर्जी डॉक्टर

जांच में सामने आई साजिश

सूचना मिली थी कि कुछ लोग KGMU की छात्राओं को बहला-फुसलाकर बाहर ले जाने की फिराक में हैं। टीम ने निगरानी बढ़ाई तो पता चला कि AIIMS दिल्ली में अमेरिका के डॉक्टरों से मिलवाने के नाम पर छात्राओं को लखनऊ से बाहर ले जाने की योजना थी। प्रवक्ता के मुताबिक, आरोपी की पहचान हसम अहमद के रूप में हुई है। वह लखनऊ में मेडिकल कैंप लगाकर खुद को डॉक्टर बताता था। 20 अप्रैल को ऐसे ही एक कैंप में जांच के दौरान करीब 20 KGMU स्टूडेंट्स मौजूद मिले। हालात संदिग्ध लगे तो टीम ने जाल बिछाया और मंगलवार को KGMU सर्जरी विभाग के पास उसे पकड़ लिया। बाद में उसे पुलिस को सौंप दिया गया।

66 आरोपी ने अपनी संस्था से जुड़े लोगों के नाम भी बताए, जिनमें एरा मेडिकल कॉलेज और इंटीग्रल यूनिवर्सिटी से जुड़े कुछ डॉक्टरों का जिक्र किया गया है। संस्था का मुख्य संचालक फैक अहमद मंसूरी बताया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। केजीएमयू में दिसंबर, 2025 में लव जिहाद प्रकरण उठा था।

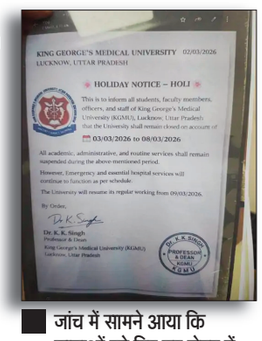
KING GEORGE'S MEDICAL UNIVERSITY 02/03/2026
LUCKNOW, UTTAR PRADESH
HOLIDAY NOTICE – HOLI
This is to inform all students, faculty members, officers, and staff of King George's Medical University (KGMU), Lucknow, Uttar Pradesh, that the University shall remain closed on account of
03/03/2026 to 08/03/2026
All academic, administrative, and routine services shall remain suspended during the above-mentioned period.
However, Emergency and essential hospital services will continue to function as per schedule.
The University will resume its regular working from 09/03/2026.
By Order,
Dr. K. K. Singh
Professor & Dean
King George's Medical University (KGMU)
Lucknow, Uttar Pradesh
PROFESSOR & DEAN K.G.M.U.

जांच में सामने आया कि छात्राओं को दिए गए लेटर में फर्जी हस्ताक्षर थे।

केजीएमयू में दिसंबर, 2025 में उठा लव जिहाद प्रकरण

KGMU में दिसंबर, 2025 में लव जिहाद प्रकरण उठा था। इसमें एक पीड़िता ने रेजिडेंट डॉक्टर रमीजुद्दीन मलिक पर धोखे में फंसाने, प्रेग्नेंट करने और अबॉर्शन कराने के साथ ही जबरदस्ती धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप लगाया था।

धू-धूकर जली 41 सीटर बस

लोगों ने मालिक को बुलाया, आधे घंटे तक जलती रही, केवल ढांचा बचा

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक बस में आग लग गई। बस धू-धूकर जलने लगी। लोगों ने बस मालिक को फोन कर बुलाया। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

फायर ब्रिगेड मौके पर समय से पहुंचकर बुझानी शुरू की, लेकिन आग तब बुझी जब तक कि पूरी तरह से जल नहीं गई। घटना इग्नू विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर के पीछे की है। यहां खाली मैदान में 41 सीटर ट्रैवल बस खड़ी थी।

उसमें अचानक आग लग गई। पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना सोमवार रात करीब 11:30 बजे हुई। बस संख्या UP 32 TT 1006 में अचानक आग लगी और कुछ ही मिनटों में वह धू-धू कर जलने लगी। बस के मालिक संजय कुमार यादव ने बताया- मुझे स्थानीय लोगों ने बस में आग लगने की सूचना दी। मैंने फायर ब्रिगेड को फोन करते हुए तुरंत मौके पर पहुंचकर लोगों के साथ आग बुझानी शुरू की।

बस इग्नू के पीछे मैदान में खड़ी थी। इग्नू का रीजनल सेंटर वृंदावन योजना के सेक्टर-5 स्थित है। बस मालिक तेलीबाग के गांधीनगर के रहने वाले हैं। संजय ने बताया कि बस 41 सीटों वाली थी और घटना के समय पूरी तरह खाली खड़ी थी। इसी वजह से एक बड़ा हादसा टल गया और कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ।

हालांकि, आग लगने से बस पूरी तरह नष्ट हो गई। आग लगने के सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

बस मालिक संजय कुमार यादव ने बताया कि उन्हें स्थानीय लोगों से फोन पर बस में आग लगने की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी और खुद मौके पर पहुंचकर लोगों के साथ आग बुझाने में जुट गए। उन्होंने बताया कि बस वृंदावन योजना सेक्टर-5 के पास मैदान में खड़ी थी और उस समय पूरी तरह खाली थी। इसी कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची। आग बुझाने की कोशिश की जाने लगी लेकिन आग तेजी से जलती रही।

फास्ट न्यूज

भीषण गर्मी के चलते लोहिया पार्क का समय बदला

लखनऊ। लखनऊ में लगातार बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए (एलडीए) ने बड़ा फैसला लिया है। लोहिया पार्क में बने स्पोर्ट्स जोन को बच्चों के लिए सुबह 7 से रात 8 बजे तक खोला जाएगा। पहले यह समय सुबह 10 से रात 8 बजे तक था, जिसे लेकर अभिभावकों ने आपत्ति जताई थी। एलडीए वीसी के मुताबिक बढ़ती तपिश को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है।

पति-पत्नी की घर में घुसकर हत्या

मुरादाबाद। मुरादाबाद में 24 हजार रुपए के लिए पति-पत्नी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घर में घुसे हमलावरों से बचाने के लिए 8 साल की बच्ची मदद के लिए पड़ोसियों से गुहार लगाती रही लेकिन डर के मारे कोई बचाने नहीं आया। बच्ची ने बताया- 6 लोग जबरदस्ती घर में घुस आए थे। पापा को पकड़कर चाकू मारे। मम्मी बचाने आई तो उस पर भी ताबड़तोड़ चाकूओं से वार किए और फरार हो गए। मोहल्ले वालों की सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों को अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। सोमवार देर रात की यह वारदात सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की है। मृतक दंपत्ति की पहचान राजा और उनकी पत्नी फराह के रूप में हुई है।

मां ने अकेले किया जुड़वां बेटियों का अंतिम संस्कार

कानपुर। कानपुर में 11 साल की जुड़वां बेटियों की गर्दन रेतकर नृशंस हत्या करने वाला पिता सलाखों के पीछे है। एक साथ जन्मी रिद्धी-सिद्धी दुनिया से भी साथ अलविदा हुईं। मां ने हिंदू कब्रिस्तान में दोनों बेटियों को दफन किया। इस दौरान दो बार गश खाकर गिर पड़ी। बेटियों के शव से लिपटकर रोती रही, वहां उसे संभालने वाला भी कोई नहीं था। महिला पुलिसकर्मियों ने किसी तरह संभाला।

जनाक्रोश रैली के बाद कई चौराहों पर जाम

पैदल लौट रहीं महिलाएं धूप में बेहाल, हजरतगंज से गोमतीनगर तक फंसीं गाड़ियां

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में मंगलवार को भीषण जाम लग गया। 'जनाक्रोश महिला पद यात्रा' के मद्देनजर किया गया रूट डायवर्जन प्लान रैली पूरी होने के बाद फेल हो गया। हजरतगंज में गाड़ियां इकट्ठा पहुंच गईं जिससे ट्रैफिक जाम लग गया। इस वजह से पूरे शहर का ट्रैफिक प्रभावित हो गया। मुख्य रूप से हजरतगंज, हुसैनगंज, कैसरबाग, गोमतीनगर का 1090 चौराहा, निशातगंज, ग्रीन कॉरिडोर की तरफ से हजरतगंज आने वाली वाली सभी सड़कें जाम चोक हो गईं। मुख्य चौराहों पर भीषण जाम की वजह से वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। रैली से लौट रहीं महिलाएं धूप में बेहाल हुईं। सिविल अस्पताल के सामने पूरी रोड चोक हो गई। रैली से महिलाएं लौट रही थीं। उसी समय गाड़ियों को आने-जाने की परमिशन दे दी गई। सिविल अस्पताल के सामने पूरी रोड चोक हो गई। रैली से महिलाएं लौट रही थीं। उसी समय गाड़ियों को आने-जाने की परमिशन दे दी गई। कार्यक्रम को देखते हुए सुबह 6 बजे से कई रास्तों पर ट्रैफिक प्रतिबंधित किया गया और वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किए गए थे। वैकल्पिक मार्ग होने के बावजूद ट्रैफिक बुरी तरह लगा। लालबत्ती चौराहा, हजरतगंज, विधानसभा मार्ग, जीपीओ, डीएसओ चौराहा, सिकंदरबाग, परिवर्तन चौक, लालबाग, कैपिटल तिराहा समेत कई प्रमुख मार्गों पर सामान्य यातायात रोका गया था। वाहनों को कटाईपुल, जी-20 चौराहा (शहीदपथ), कमता तिराहा, कैंट, डालीगंज, पिपराघाट, ग्रीन कॉरिडोर, कैसरबाग, चिरैयाझील, दिलकुशा जैसे वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया गया था। बसों के लिए भी यही रूट निर्धारित थे। रोडवेज और सिटी बसों के रूट में भी बदलाव किया गया था। बसों को सिकंदरबाग, हजरतगंज और विधानसभा मार्ग से होकर जाने की अनुमति नहीं थी। इन्हें ग्रीन कॉरिडोर, डालीगंज और कैंट होते हुए चलने के लिए निर्देश थे। सबसे गंभीर स्थिति सिविल अस्पताल के सामने बनी, जहां रैली से लौट रही महिलाओं और आम वाहनों के एक साथ आने से पूरी सड़क जाम हो गई। आरोप है कि इसी दौरान वाहनों को आने-जाने की अनुमति दे दी गई, जिससे हालात और बिगड़ गए।

भिठौली पर भीषण जाम लग गया।

लखनऊ में 41 डिग्री पहुंचा तापमान

लखनऊ। लखनऊ सुबह से तेज धूप निकली हुई है। इस बीच पछुआ हवा भी चल रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्यियस पहुंच सकता है। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रहने की संभावना है। दोपहर में 2 बजे IMD के मुताबिक लखनऊ में तापमान 41 डिग्री दर्ज किया गया है। लखनऊ में सोमवार को अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.1 डिग्री रहा। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.4 डिग्री कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 57 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 14 फीसदी रही। वहीं, तेज धूप में बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। लोग गर्मी और उमस के चलते काफी परेशान नजर आ रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में निचले क्षोभ मंडल में आ रही पछुआ हवाओं के साथ आर्तरिक महाराष्ट्र के आसपास बने प्रतिचक्रवात के प्रभाव से उत्तराखंड के तराई भाग को छोड़कर प्रदेशभर में अधिकतम तापमान 40°C के पार चला गया है। आगामी सप्ताह के दौरान मौसम सामान्य बना रहने और तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

नीले ड्रम वाली मुस्कान जेल से कोर्ट लाई गई

5 महीने की बेटी गोद में थी, प्रेमी साहिल को भी पुलिस लेकर आई

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के बहुचर्चित सौरभ हत्याकांड में आरोपी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया। दोनों को जेल से भारी सुरक्षा के बीच कोर्ट लाया गया। पहले साहिल को लेकर पुलिस कोर्ट पहुंची। वह सफेद टोपी और राउंड नेक की टी-शर्ट पहने था। पुलिस की गाड़ी से उतरने के बाद उसने सिर नीचे झुका लिया, सिपाहियों के इशारे पर चलता रहा। कुछ वकीलों ने रोकने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें पीछे धकेल दिया। इसके बाद साहिल को लेकर पुलिसकर्मी कोर्ट पहुंचे। कुछ देर बाद पुलिस मुस्कान को लेकर पहुंची। वह पीले रंग का प्रिंटेड सूट और काला दुपट्टा पहने थी। चेहरे पर काला मास्क लगा रखा था। गोद में 5 महीने की बच्ची लिए थी। नजर झुकाए मुस्कान कोर्ट में प्रवेश कर गई। बच्ची को भी दुपट्टे से लपेट रखा था। चारों तरफ पुलिस का घेरा था, जिसने किसी को भी मुस्कान की तरफ आने नहीं दिया। 18 मार्च को मुस्कान को पति सौरभ की हत्या में गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था।

अखिलेश ने सीमा राजभर को महिला मोर्चा का अध्यक्ष बनाया

ओपी राजभर की पार्टी छोड़कर सपा जॉइन की थी, जूही सिंह को हटाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अखिलेश यादव ने सीमा राजभर को समाजवादी पार्टी महिला मोर्चा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है। बलिया की रहने वाली सीमा राजभर यूपी सरकार में मंत्री ओपी राजभर की पार्टी में रह चुकी हैं। वह सुभासपा से बलिया की महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष थीं। 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्होंने राजभर और उनके बेटे अरविंद राजभर पर महिलाओं के शोषण और पार्टी में परिवारवाद का आरोप लगाया था। 2022 के अंत में वह सपा में शामिल हो गई थीं। पहले सपा ने उन्हें छात्र सभा का राष्ट्रीय सचिव बनाया था। इससे पहले सपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह थीं। अखिलेश यादव ने सीमा राजभर के नाम की घोषणा जूही सिंह से ही कराई। इसके बाद मीडिया के सामने जूही सिंह से कहा कि आपको और बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। सीमा के पार्टी में कद बढ़ाने को पीडीए कार्ड से भी जोड़कर देखा जा रहा है। सपा ने ये घोषणा ऐसे दिन की, जब भाजपा, सपा और कांग्रेस को पदयात्रा के जरिए महिला आरक्षण विरोधी होने का आरोप लगा रही है। अखिलेश ने मंगलवार को सपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने फतेहपुर में चायवाले की दुकान की जांच पर भी बिना नाम लिए कटाक्ष किया। कहा- चायवाला कहता था कि मेरे से अच्छी चाय कोई नहीं बना सकता। शायद इसी बात की नाराजगी रही होगी। भाजपा की जनाक्रोश रैली पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा- सुना है पदयात्रा हो रही थी लखनऊ में। इतनी भीषण गर्मी में किसी ने काला चश्मा नहीं लगाया था।

सीमा राजभर को महिला मोर्चा अध्यक्ष बनाने को लेकर जानकारों का कहना है कि अखिलेश एक तीर से कई निशाना साधना चाहते हैं। सीमा राजभर समाज से आती हैं और मंत्री राजभर की करीबी रही हैं। ऐसे में पूर्वांचल में राजभर के बड़े वोट बैंक में सपा मजबूती से सेंध लगा सकती है।

चर्चा: नए डीएम बोले-पीड़ित को निचले स्तर पर ही मिले न्याय, मेट्रो निर्माण से हो रही दिक्कतें दूर होंगी

आईएएस मनीष बंसल ने संभाला कार्यभार

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के नवागत डीएम मनीष बंसल ने मंगलवार को चार्ज संभाल लिया। स्टाफ से मुलाकात के बाद उन्होंने जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की। इससे पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा-पीड़ित को निचले स्तर पर ही न्याय मिले। उन्हें न्याय के लिए भटकना न पड़े। जिस स्तर की समस्या है, उसी स्तर पर उसका समाधान होना चाहिए। IAS अरविंद मल्लप्पा बंगारी के ट्रांसफर होने के बाद IAS मनीष बंसल ने आगरा के नए डीएम के रूप में मंगलवार दोपहर को चार्ज संभाल लिया। वे सहारनपुर में डीएम थे। आगरा के कोषागार में पहुंचे नवागत डीएम का स्टाफ ने स्वागत किया। चार्ज संभालने के बाद डीएम ने मीडिया से बातचीत के दौरान अपनी प्राथमिकताएं गिनाईं। उन्होंने कहा- सबसे पहले देश और प्रदेश सरकार की जो महत्वपूर्ण की योजनाएं हैं, उनको धरातल पर बहुत तेजी से उतारा जाए। उनका लाभ हर व्यक्ति को मिले। जितने भी फरियादी हैं, उनकी समस्याओं का निचले स्तर पर ही समाधान हो। ब्लॉक और तहसील स्तर पर ही समस्याओं के समाधान होना चाहिए। जिस स्तर की समस्या है, उस स्तर पर उसका समाधान हो जाना चाहिए। अगर, ऐसा नहीं होता है तो लापरवाही उजागर होने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा-राजस्व न्याय में पीड़ित को त्वरित न्याय मिले। आगरा एक अंतरराष्ट्रीय शहर है, ऐसे में मेरी कोशिश रहेगी कि इस जनपद और ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए हम सब एक टीम के रूप में काम करेंगे। मनीष बंसल के ससुर ज्ञानेश गुप्ता के पिता डॉ. सुबोध कुमार गुप्ता और मां सत्यवती गुप्ता आगरा के विजय नगर कॉलोनी में रहते हैं।

नवागत डीएम मनीष बंसल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

सीएम के विशेष सचिव बने अरविंद

आगरा डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी का ट्रांसफर हो गया है। अब उनको मुख्यमंत्री का विशेष सचिव बनाया गया है। सहारनपुर के डीएम रहे मनीष बंसल अब आगरा के नए डीएम होंगे। मनीष बंसल देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के दामाद हैं। ज्ञानेश कुमार का जन्म आगरा में ही हुआ था। मनीष बंसल की पत्नी मेधा रूपम गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) की जिलाधिकारी हैं।

मेट्रो निर्माण से हो रहीं परेशानियों को दूर किया जाएगा

मेट्रो एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। ऐसे में शहरवासियों के सामने कुछ समस्याएं आ रही होंगी। ऐसे में मेरा प्रयास होगा कि इन समस्याओं को समझकर उनके समाधान कराने का प्रयास होगा। आगरा में पेयजल के संबंध में कई योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। ऐसे में गर्मी के सीजन में पानी की समस्या नहीं आने दी जाएगी।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सूचना निदेशक शिशिर ने सूचना निदेशालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सभी पत्रकार बंधुओं को प्रेस दिवस की शुभकामनं

पृष्ठ 01 का शेष...

मोदी आतंकवादी ...

पश्चिम मिदनापुर के दांतन में कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस समर्थित हमले में 100 से अधिक बीजेपी कार्यकर्ता घायल हो गए। घायलों में से 15 को ओडिशा के जलेश्वर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक कार्यकर्ता की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना सोमवार की है। मंगलवार को वीडियो सामने आए। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि यह हमला सुनियोजित था और सत्तारूढ़ दल के समर्थकों ने इसे अंजाम दिया। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज किया है। गोयल ने कहा- मुझे शर्म आ रही है कि कांग्रेस पार्टी और स्टालिन की DMK पार्टी इतने निचले लेवल पर आ गई हैं। वे इतने निचले लेवल पर आ गए हैं कि भारत के लोगों द्वारा चुने गए एक लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा जा रहा है। मैं खड़गे के बयान की कड़ी निंदा करता हूं। मैं दोनों राहुल गांधी और एमके स्टालिन से भारत के लोगों के इस सीधे अपमान के लिए माफी मांगने की मांग करता हूं। सालबोनी में एक रैली में अमित शाह ने कहा- मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि अगर आप BJP की सरकार बनाते हैं, तो 4 मई के बाद, न केवल बंगाल में बल्कि पूरे देश में, हम हर घुसपैठिए को वापस भेजने का काम करेंगे।ममता (बनर्जी) के ये गुंडे बंगाल के लोगों का जीना मुश्किल कर रहे हैं...4 मई के बाद, हम हर गुंडे को ढूंढकर सलाखों के पीछे डाल देंगे। मोदी को आतंकी कहे जाने के सवाल पर बाद में खड़गे ने कहा- PM मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। मेरा मतलब है, मैं साफ करना चाहता हूं, कि मोदी हमेशा धमकी देते हैं। ED, I-T और CBI जैसी संस्थाएं उनके हाथ में हैं। वह डिलिमिटेशन भी अपने हाथ में लेना चाहते हैं। इसलिए मैं कह रहा था कि वह लोगों और पार्टियों को आतंकित कर रहे हैं। न कि मोदी आतंकी हैं।

विज्ञान और धर्म ...

वहां एक धर्म और एक भाषा हो सकती है, लेकिन भारत पूरी तरह से अलग है। इसका इतिहास, परंपरा और संस्कृति बहुत पुरानी और समृद्ध है। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और फूट डालने की कोशिशों को नाकाम करने का आग्रह किया। कहा, हालात चाहे जैसे भी हों, डरने की कोई ज़रूरत नहीं है। मौजूदा विश्व व्यवस्था में, अकसर शक्ति ही सही को दबा देती है। अगर आपके पास शक्ति है, तो आपकी ताकत साबित हो जाएगी; अगर आप सही रास्ते पर भी हैं, लेकिन आपके पास शक्ति नहीं है, तो कोई आपकी बात पर ध्यान नहीं देगा। इसलिए, ज्ञान और शक्ति, दोनों अर्जित करें। भागवत ने कहा कि मंदिर केवल पूजा-पाठ के स्थान नहीं हैं, बल्कि ऐतिहासिक रूप से वे सामाजिक जीवन और ज्ञानोदय के केंद्र रहे हैं। भागवत ने कहा कि पहले सत्ता राजा को दी गई, लेकिन बाद में राजा ही जनता का शोषण करने लगा। इसके बाद लोगों ने भगवान को सर्वोच्च मानकर धर्म बनाए, लेकिन इससे भी खून-खराबा नहीं रुका। विज्ञान के दौर में भी मानव की समस्याएं खत्म नहीं हुईं। लोगों ने कहा कि हम वैज्ञानिक हैं, जब तक भगवान लैब में नहीं दिखेगा, हम नहीं मानेंगे। इसके बाद विज्ञान का दौर आया। कई सुविधाएं और आराम मिले, लेकिन संतोष नहीं आया। आज भी दुनिया में दुख है, परिवार टूट रहे हैं, अपराध बढ़ रहे हैं। युद्ध शुरू होते हैं तो रुकते नहीं। विकास जितना बढ़ रहा है, पर्यावरण उतना ही नष्ट हो रहा है। अब 2000 साल के इन प्रयोगों के बाद दुनिया भटक रही है और भारत के ज्ञान की ओर उम्मीद से देख रही है। उन्होंने इसे भारत का कर्तव्य बताया और कहा कि यही भारत के जीवन का उद्देश्य है। कार्यक्रम में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

मैंने ईरान में...

वहीं 7 जहाज बाहर निकले, जिनमें एक ईरानी कार्गो जहाज शामिल था। लेबनान-इजराइल वार्ताः इजराइल और लेबनान के बीच बातचीत का दूसरा दौर 23 अप्रैल को तय किया गया है। इससे पहले 16 अप्रैल को दोनों देशों की बातचीत हुई थी जिसमें दोनों देशों ने 10 दिनों के लिए सीजफायर पर सहमति जताई थी। ईरानी जहाज सीजः अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे टूस्का नाम के एक ईरानी जहाज को पकड़ लिया। यह चीन से लौट रहा था। ईरान ने इस पर नाराजगी जताई और अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। इसके जवाब में ईरान की सेना ने इस कार्रवाई को डकैती बताया और कहा कि यह सीजफायर का उल्लंघन है। ट्रम्प ने कहा है कि अगर ईरान के साथ डील नहीं होती, तो अमेरिकी सेना हमले के लिए तैयार है। ट्रम्प ने बताया कि सीजफायर के दौरान अमेरिका ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाई है। उन्होंने कहा, "हमारे पास बहुत ज्यादा गोला-बारूद और संसाधन है, हमने इस समय का इस्तेमाल खुद को मजबूत करने में किया।" उन्होंने यह भी कहा कि संभव है ईरान ने भी इस दौरान कुछ तैयारी की हो। ट्रम्प के मुताबिक, अगर वह आदेश देते हैं तो अमेरिकी सेना तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार है और एक्शन लेने को तैयार बैठी है। ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरान के साथ चल रहे सीजफायर को आगे नहीं बढ़ाएंगे। CNBC को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि रहमारे पास इतना समय नहीं है। ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका जल्द ही ईरान के साथ एक बड़ी डील कर सकता है। इससे कई हफ्तों से चल रहा युद्ध खत्म हो सकता है। उन्होंने CNBC न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा, "मुझे लगता है।

सिलेंडर की लाइन में लोग बेहोश होकर गिरे

3 हजार लोग एजेंसी के बाहर खाली सिलेंडर लेकर पहुंचे, सड़क को किया जाम- पुलिस मौके पर

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में गैस की किल्लत की वजह और 42 डिग्री तापमान भयानक गर्मी में लोग बेहोश हो कर गिर रहे है। इसके बाद गुस्साए लोगों ने रोड को जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस लोगों को शांत करने में जुटी हुई है। लोगों का कहना है- आम सुबह 4 बजे से 42 डिग्री के सेल्सियस में लाइनों में खड़े हुए है। लोग महीनों से सिलेंडर के लिए जे के मंदिर के पास भगवतदास इंडेन गैस एजेंसी के चक्कर काट रहे है। लेकिन सिलेंडर नहीं मिल रहा है। इस परेशानी में घर वालों के साथ बच्चे भी बीमार हो रहे है। भयानक धूप में बच्चे और बुजुर्ग प्लास्टिक के टुकड़े से धूप से बचते हुए कैमरे मे कैद हुए है जीतू वर्मा ने बताया- हमको 2 महीने से गैस नहीं मिल रही है। हम परेशान हैं। ये लोग केवल गैस एजेंसी के चक्कर कटवा रहे है। यहां गैस नहीं कम से कम प्रशासन को पानी और छाया की व्यवस्था करनी चाहिए। यहां लोग धूप की वजह से बेहोश होकर जमीन में गिर रहे है। पास के एक गुरुद्वारे से पानी लाकर पिलाया है। हम लोग किराये के मकान में मसवानपुर में रहते है। मकान मालिक चूल्हा जलाने नहीं देता है। हमारी 600 रुपए रोजज की दिहाड़ी छूट रही है। अब तो हमारे परिवार के दोनों बच्चे भूखे रह रहे है। अभिषेक ने बताया- हमने 3 तारीख को पर्ची कटवाई उसके बाद 15 तारीख की डेट मिली, आज 21 तारीख हो रही है, लेकिन सिलेंडर नहीं मिला है। मैं 6 दिन से रोज आता- जाता हूं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।
सम्पादक : विद्यादेवी
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा
समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676